- 19th Year
- Issue: 220
- 14.12.2025 (SUNDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

दैनिक

कलिंग समाचार

The kalingasamachar

e-paper-www.thekalingasamachar.com

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

कोलकाता में मेस्सी के आगमन पर अराजकता, सीएम ममता बनर्जी ने मांगी माफी, जांच समिति गठित

कोलकाता १३/१२ (संवाददाता): पश्चिम बंगाल की मुज़्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन (साल्ट लेक स्टेडियम) में फुटबॉल के दिग्गज लियोनेल मेस्सी के कार्यक्रम के दौरान हुई अराजकता के बाद उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए। उन्होंने अव्यवस्था पर खेद व्यक्त करते हुए अर्जेंटीना के दिग्गज खिलाड़ी, उनके प्रशंसकों और खेल प्रेमियों से माफी मांगी। मुज़्यमंत्री की यह टिप्पणी तब आई जब भीड़ के खराब प्रबंधन और मेस्सी के संक्षिप्त कार्यक्रम से नाराज प्रशंसकों ने कथित तौर पर स्टेडियम के कुछ हिस्सों में तोड़फोड़ की।

इस घटना के बाद राज्य सरकार ने जिज़्मेदारी तय करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुधारात्मक उपायों की सिफारिश करने हेतु एक जांच समिति के गठन की घोषणा की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक पोस्ट में मुज़्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि स्टेडियम में घटी घटनाओं से वह बेहद चिंतित हैं। मुज़्यमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा कि आज साल्ट लेक स्टेडियम में हुई कुप्रबंधन की घटना से मैं अत्यंत व्यथित और स्तज़्ध हूँ। मैं हजारों खेल प्रेमियों और प्रशंसकों के साथ स्टेडियम जा रही थी, जो अपने पसंदीदा फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी की एक झलक पाने के लिए वहाँ जमा हुए थे। उन्होंने आगे कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए मैं लियोनेल मेस्सी के साथ-साथ सभी खेल प्रेमियों और उनके प्रशंसकों से तहे दिल से माफी मांगती हूँ। मैं न्यायमूर्ति (सेवानिवृज़) आशीष कुमार राय की अध्यक्षता में एक जांच समिति का गठन कर रही हूँ, जिसमें मुज़्य सचिव और गृह एवं पर्वतीय मामलों के विभाग के अतिरिक्त मुज़्य सचिव सदस्य होंगे। मुज़्यमंत्री ने आगे कहा कि समिति घटना की विस्तृत जांच करेगी। बनर्जी ने कहा कि समिति घटना की विस्तृत जांच करेगी, जिज़्मेदारी तय करेगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उपाय सुझाएगी। एक बार फिर, मैं सभी खेल प्रेमियों से हार्दिक माफी मांगती हूँ।

इसके बाद, कई निराश प्रशंसकों ने मंत्रियों और राजनेताओं की आलोचना करते हुए कहा कि वे मेस्सी के समय पर एकाधिकार कर रहे हैं और शाहरुख खान जैसे अभिनेताओं को लाने के वादे को पूरा करने में विफल रहे हैं। एएनआई से बात करते हुए, नाराज प्रशंसकों ने मंत्रियों और राजनेताओं पर मेस्सी का समय बर्बाद करने और शाहरुख खान जैसे फिल्मी सितारों को इस आयोजन में लाने जैसे वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

तिरुवनंतपुरम में बीजेपी की बंपर जीत, पीएम मोदी गद-गद, कहा-केरल की राजनीति के लिए ऐतिहासिक पल

तिरुवनंतपुरम १३/१२ (संवाददाता): केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने बड़ी जीत हासिल की है। एनडीए तिरुवनंतपुरम नगर निगम में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरा है और इसने वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) के 45 साल के सज़ा पर कज़्जे को खत्म कर दिया है। एनडीए ने नगर निगम के 101 वार्डों में से 50 वार्डों में जीत हासिल की, जबकि सज़ारूढ़ एलडीएफ 29 सीटों पर सिमट गया। कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) को 19 सीटें मिलीं, दो सीटें निर्दलीय उज़्मीदवारों को मिलीं और पिछले सप्ताह एक उज़्मीदवार की मृत्यु के बाद एक वार्ड में मतदान रद्द कर दिया गया। इस परिणाम से शहर के राजनीतिक संतुलन में एक स्पष्ट बदलाव आया है और एनडीए को अगली नगर पालिका प्रशासन बनाने के लिए एक मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया है। यह परिणाम राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है ज़्योंकि तिरुवनंतपुरम जिला वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरूर का गृह क्षेत्र है, जो राज्य की राजधानी में भाजपा की सफलता के पैमाने को रेखांकित करता है। केरल में 2025 के स्थानीय निकाय चुनावों की मतगणना शनिवार को समाप्त हुई, जिसमें एनडीए ने त्रिपुनिथुरा नगरपालिका पर नियंत्रण हासिल कर एक और महत्वपूर्ण जीत दर्ज की और सज़ारूढ़ एलडीएफ को सज़ा से बेदखल कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को तिरुवनंतपुरम के लोगों को शहर के स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन की ऐतिहासिक जीत के लिए धन्यवाद दिया। स्थानीय निकाय चुनावों के परिणाम शनिवार को घोषित होने के बाद, एनडीए ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम में सज़ा हासिल कर ली है, जिससे वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के चार दशकों से अधिक के शासन का अंत हो गया है। यह पार्टी के लिए एक बड़ी छलांग है, जिसने एक दशक पहले तक छह से अधिक वार्डों में जीत हासिल नहीं की थी।

पिछले दो स्थानीय निकाय चुनावों में, भाजपा ने सज़ा हासिल करने के लिए जोरदार प्रयास किए थे, लेकिन 2015 में शुरुआती उछाल के बाद, 2020 में इसकी स्थिति लगभग स्थिर रही।

उज़र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अध्यक्ष पद के लिए पंकज चौधरी ने दाखिल किया नामांकन

१३/१२ (संवाददाता): केंद्रीय विज़ राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने शनिवार को उज़र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया और ऐसा करने वाले वे एकमात्र उज़्मीदवार थे। राज्य अध्यक्ष की औपचारिक घोषणा केंद्रीय चुनाव अधिकारी और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल द्वारा रविवार को की जाएगी। चौधरी ने लखनऊ स्थित अपने कार्यालय में उज़र प्रदेश के मुज़्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुज़्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक तथा जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह की उपस्थिति में पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा राज्य चुनाव अधिकारी महेंद्र नाथ पांडे और केंद्रीय चुनाव पर्यवेक्षक विनोद तावड़े को नामांकन पत्र सौंपे।

पंकज चौधरी के लिए प्रस्ताव रखने वालों में मुज़्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुज़्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक, स्मृति ईरानी, स्वतंत्र देव सिंह, सूर्य प्रताप शाही, सुरेश खन्ना और बेबी रानी मौर्य शामिल हैं। उज़र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद के लिए एकमात्र नामांकन दाखिल करने के बाद चौधरी ने कहा, नामांकन दाखिल कर दिया गया है। जांच चल रही है। कल जब घोषणा होगी, तब कुछ और कहा जा सकेगा... कोई पद छोटा या बड़ा नहीं होता। पार्टी कार्यकर्ता के रूप में हमें जो भी जिज़्मेदारी सौंपी जाती है, हम उसे पूरी निष्ठा से निभाते हैं... ।पीयूष गोयल ने कहा कि नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया अभी पूरी हुई है। बाकी की प्रक्रिया कल दोपहर को होगी। आगे की योजना उस समय घोषित की जाएगी। उज़र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चुनाव पर मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव संपन्न हो चुका है। केवल एक उज़्मीदवार ने नामांकन दाखिल किया है। नामांकन पत्रों की जांच चल रही है और आधिकारिक घोषणा कल की जाएगी। हम पंकज चौधरी के पक्ष में थे। जिला टीमों, विधायकों, एमएलसी, सांसदों, माननीय मुज़्यमंत्री, उप मुज़्यमंत्री और अन्य वरिष्ठ नेताओं सहित कई लोग उपस्थित थे और उन्होंने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र से सात बार सांसद रहे चौधरी कुर्मी समुदाय से आते हैं, जिसे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में वर्गीकृत किया गया है।

संविधान कमजोर कर रही मोदी सरकार, सामाजिक न्याय के लाभ पलटे गए-खरगे

नयी दिल्ली १३/१२ (संवाददाता): कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को मोदी सरकार पर संविधान को कमजोर करने का आरोप लगाया। कांग्रेस पार्टी की अनुसूचित जाति (एससी) सलाहकार समिति की पहली बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों ने दलितों की शिक्षा और नौकरियों के लिए पिछली कांग्रेस सरकारों की पहलों को उलट दिया है।खरगे ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार आरक्षण को कमजोर कर रही है और भेदभाव को न्यायसंगत ठहराती है, जबकि कांग्रेस ने नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम (1955) और एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम (1989) जैसे कानून बनाकर सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाया।उन्होंने कहा कि निजीकरण के माध्यम से दलितों के लिए नौकरियों में कमी और विश्वविद्यालयों में संकाय की भर्ती में गिरावट यह साबित करती है कि मोदी सरकार 'मनुवादी' मानसिकता को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि वे बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान को कमजोर नहीं होने देंगे।

रांची एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा, इंडिगो विमान की इमरजेंसी लैंडिंग, रनवे से टकराया पिछला हिस्सा

रांची १३/१२ (संवाददाता): भुवनेश्वर से रांची जा रही इंडिगो की एक ज़्लाइट शुक्रवार (12 दिसंबर) को रांची हवाई अड्डे पर उतरते समय रनवे से टकरा गई, जिससे केबिन में जोरदार झटका लगा, लेकिन लगभग 70 यात्रियों में से किसी को भी चोट नहीं आई। हवाई अड्डे के अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा शाम करीब 7:30 बजे हुआ, जब विमान सामान्य मौसम में रनवे पर उतर रहा था। रांची हवाई अड्डे के निदेशक विनोद कुमार ने मीडिया को बताया कि लैंडिंग के दौरान विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया। उन्होंने कहा, यात्रियों को अचानक झटका लगा, लेकिन सभी सुरक्षित और आहत रहे। उन्होंने ग्राउंड ज़रू की त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना की।

घटना के बाद, विमान को तकनीकी रूप से उड़ान के लिए अनुपयुक्त घोषित कर दिया गया और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (ष्ठत्रष्ट) के दिशानिर्देशों के तहत मानक प्रक्रिया के अनुसार गहन रखरखाव जांच के लिए रोक दिया गया। इसके चलते भुवनेश्वर लौटने वाली उसकी निर्धारित उड़ान रद्द कर दी गई। यात्रियों को विभिन्न प्रकार की असुविधाओं का सामना करना पड़ा- कुछ ने अपनी यात्रा पूरी तरह रद्द कर दी, कुछ ने बाद की उड़ानों के लिए पुनर्निर्धारण किया, और कुछ को सड़क मार्ग से भुवनेश्वर ले जाया गया, जो लगभग 400 किलोमीटर की 8 घंटे की यात्रा थी। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने असुविधा को कम करने के लिए जलपान और वैकल्पिक व्यवस्था सहित सहायता प्रदान की।

गौरव गोगोई के कथित पाकिस्तानी संबंधों की जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपी जाएगी- हिमंत विश्व शर्मा

नयी दिल्ली १३/१२ (संवाददाता): असम के मुज़्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस नेता गौरव गोगोई और उनकी पत्नी के पाकिस्तान से कथित संबंधों की जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपी जाएगी। राज्य सरकार ने शर्मा द्वारा दंपति पर लगाए गए आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच समिति (एसआईटी) का गठन किया था। एसआईटी ने 10 सितंबर को एक रिपोर्ट सौंपी थी। मुज़्यमंत्री ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, ''जब एसआईटी ने जुबिन गर्ग की मौत से संबंधित मामले में आरोपपत्र दाखिल कर दिया है, तो हम गौरव गोगोई के मामले की ओर बढ़ेंगे।उन्होंने कहा कि एक बार जुबिन से संबंधित मामला सुलझ जाए और नियमित सुनवाई के लिए आगे बढ़े, तो ''हम इस महीने के अंत तक या अगले महीने तक कुछ दस्तावेज साझा करेंगे। शर्मा ने कहा, ''मामला आगे की जांच के लिए केंद्रीय एजेंसी को भेजा जाएगा। इतने जटिल मामले में केवल असम एसआईटी के लिए सभी पहलुओं की जांच करना और उन्हें उजागर करना संभव नहीं होगा।

मेस्सी के कार्यक्रम में हुए बवाल के बाद भाजपा ने ममता बनर्जी पर बोला हमला

कोलकाता १३/१२ (संवाददाता): शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में अर्जेंटीना के फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के कार्यक्रम में हुई अराजकता के बाद पश्चिम बंगाल की मुज़्यमंत्री ममता बनर्जी की जमकर आलोचना की। विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कुप्रबंधन को पश्चिम बंगाल के गौरव पर आपराधिक हमला बताया और इस घटना को फुटबॉल प्रेमियों के साथ विश्वासघात करार दिया। अधिकारी ने ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की और टिकटों की पूरी वापसी, खेल मंत्री अरूप बिस्वास, अग्निशमन मंत्री सुजीत बोस और आयोजक (जिनकी पहचान उन्होंने शतद्रु दज़ा के रूप में की) के इस्तीफे सहित अन्य मांगें रखीं। भाजपा नेता ने ङ्क पर लिखा कि युवा भारती में खेला होबे सर्कस टीएमसी की लूटपाट में बदल गया! आज कोलकाता में ज़्या दयनीय दृश्य था! हमारे फुटबॉल के दीवाने बंगाली प्रशंसक, महान खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी की एक झलक पाने के सपने में, टिकटों के लिए हजारों रुपये खर्च कर चुके थे, लेकिन उन्हें अपने ही राज्य में दोयम दर्जे के नागरिकों जैसा व्यवहार झेलना पड़ा। उन्होंने बंगाल की टीएमसी सरकार पर तीखा हमला करते हुए लिखा कि जब अरूप बिस्वास, सुजीत बोस और उनके 100 से अधिक चापलूस वीआईपी गिद्धों का दल खून-खराबे पर जोंक की तरह मेस्सी पर टूट पड़ा, तो असली प्रशंसक? गैलरी में फंसे हुए, एक विशाल स्क्रीन पर मात्र 5-7 मिनट का खेल देखते रहे! कोई सीधा दृश्य नहीं, बस विश्वासघात।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशंसकों को आयोजन स्थल के अंदर पानी की बोतलें ले जाने की अनुमति नहीं थी, बल्कि उन्हें 200 रुपये प्रति बोतल के हिसाब से पानी खरीदने के लिए मजबूर किया गया, जिसकी सामान्य कीमत 20 रुपये होती है। उन्होंने कहा कि यह टीएमसी का घिसा-पिटा जबरन वसूली का रैकेट है! इन तथाकथित %नेताओं% ने एक खेल हस्ती के दौरे को अपने निजी फोटो सेशन और मुनाफे के अवसर में बदल दिया। अधिकारी ने बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी.वी. आनंद बोस को पत्र लिखकर कलकज़ा उच्च न्यायालय के एक मौजूदा न्यायाधीश के नेतृत्व में स्वतंत्र जांच की मांग की है। उन्होंने राज्यपाल को लिखे पत्र में कहा, ष्आम फुटबॉल प्रेमियों को, जिन्होंने सद्भावना से भारी रकम चुकाई, न केवल एक सार्थक दृश्य से वंचित किया गया, बल्कि एक सार्वजनिक आयोजन के वैध उपभोक्ता के रूप में मिलने वाली बुनियादी गरिमा से भी वंचित किया गया। वीआईपी की अनियंत्रित घुसपैठ, मंत्रियों और उनके दल द्वारा स्थान पर एकाधिकार, जानबूझकर दृश्य अवरोध और मनमानी पाबंदियों के माध्यम से मुनाफाखोरी, ये सभी मिलकर सज़ा की आड़ में संस्थागत उत्पीड़न का रूप लेते हैं।ष्

अमित मालवीय ने एज़्स पर लिखा कि मगरमच्छ के आंसू बहाना बंद करो। यह कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार आपकी सरकार के हर काम में व्याप्त है। टीएमसी ने पश्चिम बंगाल की जनता की भावनाओं पर सीधा हमला किया है और हर फुटबॉल प्रेमी का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि आपको तुरंत जवाबदेही तय करनी चाहिए और जिज़्मेदार लोगों का इस्तीफा सुनिश्चित करना चाहिए।

विविध समाचार

पंजाब में अकेले सरकार नहीं बना पायेगी भाजपा, अकाली दल से गठबंधन करके ही मिलेगी सज़ा : अमरिंदर

चंडीगढ़ १३/१२ (संवाददाता): पंजाब की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है और इस बार चर्चा के केंद्र में हैं दो बार मुज़्यमंत्री रहे कैप्टन अमरिंदर सिंह। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य और कभी कांग्रेस के सबसे भरोसेमंद चेहरों में शुमार रहे अमरिंदर सिंह ने अब खुलकर भारतीय जनता पार्टी की कार्यशैली पर सवाल उठा दिए हैं। उनका आरोप सीधा और तीखा है। उन्होंने कहा है कि भाजपा में ज़मीनी नेताओं से कोई सलाह नहीं ली जाती, सभी फैसले दिल्ली से थोप दिए जाते हैं।

एक साक्षात्कार में अमरिंदर सिंह ने कहा कि भाजपा का ढांचा कठोर और केंद्रीकृत है, जबकि कांग्रेस में कम से कम परामर्श की परंपरा थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा में उनके 60 वर्षों के राजनीतिक अनुभव का कोई उपयोग नहीं किया जा रहा। उन्होंने कहा, मैं खुद को पार्टी पर थोप नहीं सकता, लेकिन यह सच है कि मुझसे कभी पूछा ही नहीं जाता। हालांकि, अमरिंदर सिंह ने कांग्रेस में वापसी की सभी अटकलों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि 2021 में जिस अपमानजनक ढंग से उन्हें मुज़्यमंत्री पद से हटाया गया था उसकी पीड़ा आज भी उनके भीतर है। साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर सोनिया गांधी उनसे मदद मांगें तो वे व्यक्तिगत रूप से मदद करेंगे, लेकिन राजनीतिक रूप से नहीं। यह बयान अपने आप में कांग्रेस के लिए एक कटाक्ष भी है और एक बंद दरवाज़े का संकेत भी है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए अमरिंदर सिंह ने कहा कि मोदी का पंजाब से विशेष लगाव है और वे राज्य के लिए हरसंभव करेंगे। लेकिन साथ ही उन्होंने भाजपा संगठन को चेताया कि यदि पार्टी पंजाब में अपनी जड़ें मजबूत करना चाहती है, तो उसे तीन-चार कार्यकाल का इंतजार करना होगा और वह भी तभी संभव है जब ज़मीनी नेताओं को सुना जाए। अमरिंदर सिंह ने साफ कहा कि भाजपा अकेले दम पर पंजाब में सरकार नहीं बना सकती। उनके अनुसार, भाजपा का भविष्य शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के साथ गठबंधन में ही है। उन्होंने दिवंगत प्रकाश सिंह बादल को पूरी तरह अविश्वसनीय और सुखबीर सिंह बादल को विश्वसनीय नेता बताते हुए संकेत दिया कि अंतत: दोनों दल फिर साथ आएंगे। पूर्व मुज़्यमंत्री अमरिंदर

सिंह ने कहा कि भाजपा पंजाब में केवल शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के साथ हाथ मिलाकर ही आगे बढ़ सकती है। उन्होंने दावा किया कि 60 साल के राजनीतिक अनुभव के कारण वह पंजाब की सोच को समझते हैं और भाजपा एवं अकाली दल अंतत: एक साथ आ जाएंगे। अमरिंदर सिंह ने कहा कि गठबंधन के बिना कोई सरकार नहीं बन सकती और गठबंधन का अभाव भगवंत मान के मुज़्यमंत्री बनने से भी ''बड़ी आपदा'' होगी। अमरिंदर सिंह ने कहा कि अब मजबूत सरकार बनाने की जिज़्मेदारी भाजपा और शिअद पर है। इस साक्षात्कार में अमरिंदर सिंह ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों पर तीखे हमले किए। कांग्रेस को उन्होंने नेतृत्वहीन बताया और दावा किया कि पार्टी में मुज़्यमंत्री पद के कम से कम नौ दावेदार हैं, लेकिन किसी का भी भविष्य उज्ज्वल नहीं है। वहीं आम आदमी पार्टी को लेकर उनका आकलन और भी निर्मम रहा। उन्होंने कहा कि 'आप' को मिला यह एकमात्र मौका है और अगला चुनाव आते-आते पार्टी बिखर जाएगी। उनका दावा था कि 2027 के विधानसभा चुनाव में 'आप' दहाई के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाएगी।

मुज़्यमंत्री भगवंत मान पर सीधा हमला करते हुए अमरिंदर सिंह ने कहा कि पंजाब भिखारी राज्य बन चुका है, निवेश ठप है और शासन केवल टीवी पर चुटकुले सुनाने तक सीमित रह गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वास्तविक फैसले अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ले रहे हैं और भगवंत मान केवल नाम के मुज़्यमंत्री हैं।

राजनीतिक तापमान तब और बढ़ गया जब अमरिंदर सिंह ने नवजोत सिंह सिद्धू और उनकी पत्नी नवजोत कौर सिद्धू पर भी तीखा हमला बोला। नवजोत कौर द्वारा ₹500 करोड़ रुपये देकर मुज़्यमंत्री बनने₹ वाले बयान को उन्होंने पूरी तरह झूठ बताया और सिद्धू दंपती को अस्थिर करार दिया। अमरिंदर सिंह ने यहां तक कह दिया कि नवजोत सिंह सिद्धू को राजनीति छोड़कर क्रिकेट कमेंट्री पर ध्यान देना चाहिए। इस बयान के बाद नवजोत कौर सिद्धू ने सोशल मीडिया पर पलटवार करते हुए अमरिंदर सिंह के मानसिक संतुलन पर सवाल उठाए और मुज़्यमंत्री भगवंत मान से सुरक्षा की मांग तक कर डाली। उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था, खनन माफिया और शराब माफिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए, जिससे पंजाब की राजनीति में नया तूफान खड़ा हो गया है।

दूसरी ओर, राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर अमरिंदर सिंह ने पाकिस्तान को लेकर दो टूक कहा कि उसने कभी भारत में स्थिरता नहीं चाही। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद बने हालात पर उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना करते हुए कहा कि युद्धविराम का श्रेय लेने की कोशिश हास्यास्पद है।

देखा जाये तो अमरिंदर सिंह का यह विस्फोटक साक्षात्कार केवल व्यक्तिगत कुंठा का बयान नहीं, बल्कि पंजाब की राजनीति की गहरी बीमारी का एक्स-रे है। यह दर्शा रहा है कि भाजपा अब भी पंजाब को समझने में विफल रही है। वहीं कांग्रेस, जो कभी परामर्श की बात करती थी, आज अंदरूनी कलह और अविश्वास का शिकार है। वहीं आम आदमी पार्टी पर किया गया अमरिंदर का हमला दर्शा रहा है कि पंजाब में सज़ा दिल्ली के रिमोट से चल रही है।

बंगाल में बाबरी मस्जिद की मांग बांग्लादेश बनाने की साजिश-दिलीप घोष

कोलकाता १३/१२ (संवाददाता): भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता दिलीप घोष ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाने की मांग राज्य में बांग्लादेश बनाने की साजिश का हिस्सा है। उन्होंने इसे ममता बनर्जी का तोहफा बताया और मस्जिद का नाम मुगल सम्राट बाबर के नाम पर रखने के फैसले पर सवाल उठाया। एएनआई से बात करते हुए घोष ने कहा कि अगर पूरे देश में कहीं भी बाबरी मस्जिद नहीं है, तो इसे बंगाल में मस्जिद ज़्यों बनाया जा रहा है? ज़्योंकि यहां बांग्लादेश बनाने की साजिश चल रही है और यह ममता बनर्जी का तोहफा है। मस्जिद बनाना गलत नहीं है, लेकिन आप इसे बाबर के नाम

पर ज़्यों बना रहे हैं? बाबर एक अत्याचारी आक्रमणकारी था। यह बयान 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच आया है। इससे पहले, मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद का निर्माण करने के इच्छुक निलंबित तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक हुमायूं कबीर ने आगामी चुनावों में मुज़्यमंत्री ममता बनर्जी की टीएमसी को सीधी चुनौती देने के लिए 22 दिसंबर को एक नई राजनीतिक पार्टी लॉन्च करने की घोषणा की थी। एएनआई से बात करते हुए कबीर ने कहा कि मैं 22 दिसंबर को एक नई पार्टी की घोषणा करूंगा। मैं ममता बनर्जी की पार्टी के खिलाफ उज़्मीदवार उतारूंगा। जो भी मुज़्यमंत्री बनेगा, उसे इसके लिए हुमायूं कबीर का समर्थन लेना होगा।6 दिसंबर को कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव रखी। उन्होंने कहा कि यह कदम संवैधानिक है और भारतीय संविधान के अनुच्छेद 26(क) के अनुरूप है, जो प्रत्येक धार्मिक समुदाय को सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के अधीन धार्मिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए संस्थान स्थापित करने और बनाए रखने की अनुमति देता है। उन्होंने आगे कहा कि मैं कोई भी असंवैधानिक काम नहीं कर रहा हूँ। कोई भी मंदिर बना सकता है, कोई भी गिरजाघर बना सकता है; मैं मस्जिद बनाऊँगा। यह कहा जा रहा है कि हम बाबरी मस्जिद नहीं बना सकते। ऐसा कहीं लिखा नहीं है।भाजपा ने ममता बनर्जी पर कबीर को मुसलमानों को ध्रुवीकृत करने की अनुमति देकर धार्मिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा देने का आरोप लगाया और उनके निलंबन में देरी पर सवाल उठाया। पार्टी ने कबीर के उन पूर्व बयानों का भी हवाला दिया जिनमें उन्होंने दावा किया था कि जिले की 70 प्रतिशत आबादी मुसलमान है और चेतावनी दी कि ममता बनर्जी की निष्क्रियता राज्य की स्थिरता को खतरे में डाल सकती है। शिलान्यास करने के बाद कबीर ने कहा कि मस्जिद के लिए 300 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है, जिसमें एक अस्पताल, एक गेस्ट हाउस और एक सभा भवन शामिल होगा। उन्होंने अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा, यह मुसलमानों का वादा है, बाबरी मस्जिद बनेगी, बनेगी, बनेगी।

6 जनवरी को सीएम बनेंगे डीके शिव कुमार, कांग्रेस विधायक का बड़ा दावा

बेंगलुरु १३/१२ (संवाददाता): कांग्रेस विधायक एच ए इकबाल हुसैन ने शनिवार को दावा किया कि उपमुज़्यमंत्री डी के शिवकुमार 6 जनवरी को कर्नाटक के मुज़्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे और वर्तमान मुज़्यमंत्री सिद्धारमैया की जगह लेंगे। रामनगर के विधायक ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि शिवकुमार को शीर्ष पद संभालने का अवसर दिया जाना चाहिए।

हुसैन ने उपमुज़्यमंत्री के प्रति अपने समर्थन को दोहराते हुए कहा 6 जनवरी को उनके मुज़्यमंत्री बनने की 99 प्रतिशत संभावना है। इस तारीख के महत्व के बारे में पूछे जाने पर हुसैन ने कहा, मुझे नहीं पता। यह बस एक यादृच्छिक संज़्या है। हर कोई यही कह रहा है। यह 6 या 9 जनवरी हो सकती है। ये दो तारीखें हैं।

हुसैन खुलेआम शिवकुमार को मुज़्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं और उन्होंने एक दिन पहले भी सार्वजनिक रूप से अपनी इच्छा व्यक्त की थी। इस बीच, केंद्रीय रेल राज्य मंत्री और भाजपा सांसद वी सोमन्ना ने कहा कि वे मुज़्यमंत्री पद के लिए कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर का समर्थन कर रहे हैं। तुमकुरु में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सोमन्ना ने कहा सज़ा मिलना भाग्य की बात है। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि परमेश्वर सिर्फ गृह मंत्री बनकर रह जाएंगे। हम उन्हें मुज़्यमंत्री बनते देखना चाहते हैं। सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि तुमकुरु के लोग भी उन्हें मुज़्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं।

जब उनसे डी के शिवकुमार के बारे में पूछा गया, जिन्हें एक मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा है, तो सोमन्ना ने जवाब दिया, ₹छोड़ो इसे। यह गौण है। शिवकुमार ज़्या बनना चाहते हैं, यह उनके भाग्य पर निर्भर करता है। आचरण भाग्य से भी बड़ा होता है।

प्रयागराज माघ मेला 2026 की भव्य आयोजन की तैयारियां तेज

प्रयागराज १३/१२ (संवाददाता):प्रयागराज में 2026 के माघ मेले के लिए व्यापक तैयारियां चल रही हैं। उज़र प्रदेश प्रशासन को भारी संज़्या में तीर्थयात्रियों और आगंतुकों के आने की उज़्मीद है। प्रयागराज संभागीय आयुक्त सौज़्या अग्रवाल के अनुसार, आगामी माघ मेला पिछले वर्षों की तुलना में अधिक भव्य होने की उज़्मीद है, जिसमें लगभग 15 करोड़ लोगों के आने का अनुमान है। यह वार्षिक धार्मिक आयोजन 3 जनवरी, 2026 से शुरू होकर 15 फरवरी तक चलेगा, जो मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और महाशिवरात्रि सहित कई शुभ स्नान दिवसों के साथ मेल खाता है।

माघ मेला पारंपरिक रूप से त्रिवेणी संगम पर आयोजित किया जाता है, जो गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों का संगम है, जहां प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु पवित्र स्नान करने आते हैं। एएनआई से बात करते हुए संभागीय आयुक्त सौज़्या अग्रवाल ने कहा कि तीर्थयात्रियों की संभावित भारी संज़्या को देखते हुए इस वर्ष माघ मेले का दायरा काफी बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि एक और सेज़्टर का निर्माण किया जा रहा है, जबकि इस बार पोंटून पुलों की संज़्या सात होगी। कुंभ मेले की तरह ही यातायात अनुमानों के आधार पर उचित आकस्मिक योजनाएं तैयार की गई हैं।अनुमान का विस्तृत विवरण देते हुए उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान रुझानों को ध्यान में रखते हुए और अस्थायी आबादी को भी शामिल करते हुए, तीर्थयात्रियों की संभावित संज़्या काफी अधिक है, जिससे माघ मेला 2026 में लगभग 15 करोड़ आगंतुकों का अनुमान लगाया गया है। उन्होंने आगामी मेले के प्रमुख दिनों की तिथियां साझा करते हुए अपना बयान समाप्त किया। उन्होंने आधिकारिक तौर पर कहा, मकर संक्रांति 15 जनवरी को है, मौनी अमावस्या 18 जनवरी को है, और इसके साथ ही मेला 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के साथ समाप्त होगा।

इससे पहले, उज़र प्रदेश के मुज़्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी बताया था कि आगंतुकों की अनुमानित संज़्या लगभग 12 से 15 करोड़ होगी। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की भारी संज़्या को ध्यान में रखते हुए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु तैयारियां की जा रही हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि कई कल्पवासी पौष पूर्णिमा के लिए जनवरी में आते हैं, और लगभग 20 से 25 लाख आगंतुक पूरे डेढ़ महीने तक छह महत्वपूर्ण दिनों में स्नान करने के लिए रुकते हैं।

मैं राजनाथ सिंह को बताना चाहता था कि अगर आप सरकार में टिके रहना चाहते हैं तो गुजराती सीख लें-जयराम रमेश का तंज

नयी दिल्ली १३/१२ (संवाददाता): कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस दावे पर तंज कसा, जिसमें उन्होंने कहा था कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू बाबरी मस्जिद के निर्माण के लिए सरकारी धन का इस्तेमाल करना चाहते थे। रमेश ने कहा कि उन्होंने भाजपा नेता राजनाथ सिंह को मणिबेन पटेल की डायरी सौंपी और उनसे कहा कि अगर उन्हें सरकार में बने रहना है तो उन्हें गुजराती सीखनी होगी। एएनआई से बात करते हुए कांग्रेस के महासचिव (संचार) ने कहा कि राजनाथ सिंह ने नेहरू और बाबरी मस्जिद की आलोचना की और मणिबेन पटेल की डायरी का हवाला दिया, इसलिए मैंने उन्हें डायरी दिखाई। मैंने डायरी का अनुवाद उन्हें सौंपा और पूछा कि इसमें नेहरू का जिक्र कहां है। मैं उनसे कहना चाहता था कि अगर उन्हें सरकार में बने रहना है तो उन्हें गुजराती सीखनी होगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 3 दिसंबर को कहा कि नेहरू के विपरीत, पटेल ने किसी भी समुदाय को खुश करने की कोशिश नहीं की। नेहरू ने गिर सोमनाथ जिले में सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण पर सवाल उठाए थे। राजनाथ सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल सच्चे धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति थे। वे तुष्टीकरण में विश्वास नहीं करते थे। जब जवाहरलाल नेहरू ने बाबरी मस्जिद के मुद्दे पर सरकारी धन खर्च करने की बात कही, तो अगर किसी ने इसका विरोध किया, तो वह गुजरात में जन्मे सरदार वल्लभभाई पटेल थे। उस समय उन्होंने सरकारी धन से बाबरी मस्जिद का निर्माण नहीं होने दिया।

संसद में वंदे मातरम पर हुई विशेष चर्चा के बाद रमेश ने केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह बहस पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की विरासत को धूमिल करने के लिए आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि सरकार का दावा था कि वह बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम की 150वीं जयंती मनाना चाहती है, जबकि साथ ही साथ वह नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर का अपमान कर रही थी। रमेश ने कहा कि उनका एकमात्र उद्देश्य पश्चिम बंगाल में आगामी चुनाव के बीच पंडित नेहरू को बदनाम करना था।

पवन सिंह को लॉरेंस बिश्नोई ने धमकी नहीं दी, गैंगस्टर हरि बॉज़्सर ने कहा-हम तो उन्हें जानते तक नहीं

नयी दिल्ली १३/१२ (संवाददाता): लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने पवन सिंह को धमकी देने से इनकार किया है। यह घटना भोजपुरी स्टार पवन सिंह के उस आरोप के कुछ दिनों बाद सामने आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि गिरोह के सदस्यों ने उन्हें अभिनेता सलमान खान के साथ मंच साझा करने के खिलाफ चेतावनी दी थी। हरि बॉज़्सर नामक गैंगस्टर का बताया जा रहा एक ऑडियो ज़्लिप सामने आया है जिसमें वह दावा कर रहा है कि सिंह ने बिना किसी धमकी के पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। भोजपुरी गायक पर बिश्नोई गिरोह के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि सिंह ने सुरक्षा पाने के लिए जानबूझकर यह मुद्दा उठाया होगा।

ऑडियो में हरि बॉज़्सर कह रहे है कि हम सब कुछ खुलेआम करते हैं। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने पवन सिंह को कोई धमकी नहीं दी है। हालांकि, उस वीडियो में एक स्पष्ट संदेश था - सलमान खान के साथ काम करने वाले किसी भी व्यक्ति को धमकी नहीं दी जाएगी, बल्कि सीधे हमला किया जाएगा। गैंगस्टर ने कहा, अगर कोई सलमान खान के साथ काम करता है, तो हम उसे धमकी नहीं देंगे, बल्कि एके-47 की गोलियों से मार डालेंगे। सिंह ने दावा किया कि बिग बॉस 19 के फिनाले में सलमान के साथ परफॉर्म करने की घोषणा इंस्टाग्राम पर करने के बाद उन्हें कथित तौर पर धमकी मिली। भोजपुरी गायक ने यह भी दावा किया कि उन्हें पैसे की मांग करते हुए फोन आए।

फोन करने वाले ने कथित तौर पर सिंह को चेतावनी दी कि अगर उन्होंने सलमान के साथ स्क्रीन शेयर नहीं की तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। इस सप्ताह की शुरुआत में, गायक ने मुंबई पुलिस में दो शिकायतें दर्ज कराईं। सिंह के मैनेजर ने गायक के लिए पुलिस सुरक्षा की मांग की है। सिंह के सहयोगियों और उनकी टीम के कुछ सदस्यों को भी धमकी भरे संदेश मिले हैं। इन फोन नंबरों का पता बिहार और मुंबई से लगाया गया है।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

विविध समाचार

ये बात हैरान कर सकती है कि ब्रह्मांड का सिर्फ 4% हिस्सा ग्रह, तारे और आकाशगंगाओं से बना है। बाकी 96% हिस्सा डार्क मैटर और डार्क एनर्जी से बना है, जिसे वैज्ञानिक अभी तक पूरी तरह समझ नहीं पाए हैं। अगर आप अंतरिक्ष में दो समान धातुओं के टुकड़े एक-दूसरे को स्पर्श करा दें तो वो स्थायी रूप से जुड़ सकते हैं। इस प्रक्रिया को कोल्ड वेल्डिंग कहा जाता है।

क्या आपने कभी आसमान की ओर देखते हुए अंतरिक्ष में जाने की कल्पना की है। अंतरिक्ष..वो ऐसा अनंत विस्तार जहां न कोई सीमा है न किनारा। ये सृष्टि का ऐसा अनदेखा कोना है जहां अनगिनत तारे टिमटिमाते रहते हैं..ग्रह अपनी कक्षाओं में घूमते हैं और धूमकेतु समय की नदी में तैरते हुए अपनी कहानियां लिखते हैं। ये ब्रह्मांड की अनंत गहराइयों में छिपे रहस्यों का भंडार है, जिसे लेकर मनुष्य हमेशा से जिज्ञासा में डूबा रहा है। यही वजह है कि विज्ञान के माध्यम से हमेशा स्पेस को जानने की कोशिश की जाती है।

जब हम रात के आसमान में चमकते तारों को देखते हैं तो एक प्रश्न हमारे मन में उठता है.. क्या वहां कहीं जीवन होगा? क्या अंतरिक्ष सिर्फ शून्य और अंधकार से भरा है या उसके पार भी कुछ है? वैज्ञानिकों का मानना है कि हमारा ब्रह्मांड अनंत है जिसमें न जाने कितने आकाशगंगाएं हैं, कितने ग्रह और जानें क्या-क्या रहस्य छिपे हुए हैं।

अंतरिक्ष में छिपे हैं जानें कितने रहस्य

आज भी ये प्रश्न अनुत्तरित है कि क्या पृथ्वी के अलावा भी कहीं और जीवन है? कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि किसी न किसी रूप में जीवन की संभावना ब्रह्मांड के किसी न किसी कोने में तो जरूर होगी। खोज में कई ऐसे ग्रह मिले हैं जो हमारी पृथ्वी से काफी मिलते-जुलते हैं। लेकिन ये रहस्य बना हुआ है कि वहां अगर जीवन होगा तो कैसा होगा। हम अपनी कल्पनाओं में एलियंस के चेहरे बनाते मिटाते रहते हैं। साइंस फिक्शन फिल्मों में जाने कितने एलियंस और अंतरिक्ष के छिपे हुए रहस्यों की कल्पनाओं को उकेरा गया है। लेकिन अब भी ये सिर्फ हमारी कल्पनाएं ही हैं। असलियत क्या है..वो जानने में जानें कितना समय और लगेगा। मगर अब तक अंतरिक्ष को लेकर जो खोज हुई हैं..

अंतरिक्ष में 1995 में पहली बार उगाया गया था आलू

जानिए स्पेस से जुड़ी ये रोचक बातें

अंतरिक्ष में बिना सुरक्षा उपकरण के जिंदा रहना नामुमकिन – अगर कोई व्यक्ति बिना स्पेससूट के अंतरिक्ष में चला जाए तो वो सिर्फ दो मिनट तक ही जीवित रह सकता है। वहां न हवा होती है, न दबाव जिससे शरीर फट सकता है!

खाने में परेशानी – स्पेस में भोजन करना भी आसान नहीं। वहां खाने पर नमक या मिर्च सीधे छिड़का नहीं जा सकता क्योंकि वो हवा में तैरने लगेंगे और आंखों में भी जा सकते हैं। इसलिए अंतरिक्ष यात्री खास तरह के liquid food का इस्तेमाल करते हैं।

सोना भी एक चुनौती – अंतरिक्ष यात्री जीरो ग्रैविटी के कारण हवा में तैरते रहते हैं, इसलिए उन्हें सोने के लिए खास तरह के स्लीपिंग बैग में खुद को बांधना पड़ता है।

बृहस्पति का विशाल तूफान – हमारे सौर मंडल का सबसे बड़ा तूफान बृहस्पति ग्रह पर है, जिसे ग्रेट रेड स्पॉट कहा जाता है। यह धरती से दोगुना बड़ा है और सैकड़ों सालों से लगातार चल रहा है।

एक स्पेससूट की कीमत करोड़ों में – नासा के एक स्पेससूट की कीमत लगभग 90 करोड़ रुपये होती है। यह सूट अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित रखने के लिए हाईटेक तकनीक से बना होता है।

सबसे दूर गया मानव निर्मित यान – नासा का वॉयेजर 1 अंतरिक्ष यान अब तक 21.7 बिलियन किलोमीटर की दूरी तय कर चुका है और अब भी पृथ्वी से लगातार दूर जा रहा है।

अंतरिक्ष में आलू की खेती – 1995 में अंतरिक्ष में पहली बार आलू उगाया गया था जो अंतरिक्ष में भोजन उत्पादन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

अंतरिक्ष में पूरी तरह शांति है – चौंकाने वाली बात है कि अंतरिक्ष में कोई आवाज़ नहीं होती, क्योंकि वहां हवा नहीं है। यानी अगर आप वहां जोर से चिल्लाएंगे तो भी कोई आपको सुन नहीं पाएगा।

रेलवे ट्रैक की चोरी है नामुमकिन, जानें इसकी वजह

इंडियन रेलवे दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। यह भारत के लोगों को एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचाने का काम करते हैं। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि एक दिन में पूरे देशभर से करीब 1300 ट्रेनों का संचालन होता है। लोग ट्रेन में सफर करने से पहले तरह-तरह की तैयारी कर लेते हैं। जैसे बैग पैकिंग या फिर खाने की पैकिंग। हालांकि, इससे पहले लोग अपनी सीट बुक कर लेते हैं, ताकि उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने में किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो। इसमें आपको सीट नंबर, कोच नंबर, डेट ऑफ जर्नी, सहित अन्य तमाम जानकारी दी जाती है।

जब ट्रेन में सफर की शुरुआत होती है, तो आपको तरह-तरह के लोग मिलेंगे। तरह-तरह की चीजें देखने को मिलेंगे। इस दौरान आप बहुत से राज्यों की खूबसूरती को अपनी आंखों से निहार सकते हैं। हालांकि, इस दौरान आपके मन में बहुत सारी बातें चल सकती है। जैसे रेलवे का विस्तार किसने किया है, रेलवे ट्रैक कैसे बनाया जाता है, ट्रेन एक पटरी से दूसरी पटरी पर किस तरह जाती है या फिर कितने समय अंतराल में एक पटरी पर 2 ट्रेनें एक साथ चलती है, सिग्नल कैसे काम करता है, ड्राइवर को कौन ऑपरेट करता है, इत्यादि। ऐसी तमाम तरह के सवाल मन में हलचल पैदा करती है। वहीं, कई बार आपने यह भी सोचा होगा कि सारी चीजों की चोरी संभव है, लेकिन कभी अपने समाचार में यह नहीं सुना होगा कि रेलवे ट्रैक का लोहा कभी किसी ने चुराया हो। इसके पीछे क्या वजह है यह जानना काफी दिलचस्प भरा है।

रेलवे ट्रैक की चोरी क्यों है नामुमकिन?

भारत का रेलवे ट्रैक लाखों करोड़ों किलोमीटर तक बिछा हुआ है। यह एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे चोर या डकैत द्वारा चोरी नहीं किया जा सकता है। इसके पीछे एक बड़ी वजह है। सबसे पहली वजह तो यह है कि रेलवे की पटरियां स्लिपर्स की मदद से बहुत सुरक्षित तरीके से बांधे जाते हैं, जिसे खोलना एकदम आसान काम नहीं होता है और यह मिश्र धातु की बनी होती है, जिसे किसी भी चीज से काटना पॉसिबल नहीं होता है। इसके अलावा, दूसरी वजह यह है कि रेलवे ट्रैक का लोहा आप कहीं भी बेचे जाएंगे, तो इसे कोई खरीदना नहीं चाहता है क्योंकि अगर इसके बारे में किसी को भी भनक लग गई, तो उसे जेल हो सकती है। इसके साथ ही उस पर जुर्माना भी लग सकता है। इसलिए चोर या डकैत द्वारा कभी भी रेलवे ट्रैक नहीं चुराया जाता।

दुनिया की सबसे महंगी मछलियां

दुनिया में नॉनवेज खाने वालों की कोई कमी नहीं है। खासकर बंगाली परिवार में हर रोज सब्जी की तरह मछली बनाई जाती है। कुछ लोग मछली खाने के इतने ज्यादा शौकीन होते हैं कि वह तरह-तरह की मछलियां ट्राई करते हैं। अक्सर आपने महंगी मछलियों में इलिश मछली का नाम सुना होगा, जिसे शादियों में बनाया जाता है, लेकिन आज हम आपको उन मछलियों के बारे में बताएंगे जो कि दुनिया भर में सबसे महंगी मछलियों की लिस्ट में शामिल है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि दुनिया में एक ऐसा बाजार है, जहां मछलियों का ऑक्शन होता है। जिसमें लोग मछलियों पर बोली लगाकर उसे खरीदते हैं। इसके लिए लोग लाखों रुपये भी लगा देते हैं। समुद्री इलाके में रहने वाले लोग अधिकतर नॉनवेज खाना ही पसंद करते हैं, जिनमें उनका फेवरेट व्यंजन मछली-चावल होता है।

मछली पालने के भी होते हैं शौकीन

इससे यह साफ पता चलता है कि दुनिया में तरह-तरह के लोग रहते हैं। सभी को अलग-अलग तरीके का शौक होता है। कुछ लोगों को घूमना पसंद होता है, तो कुछ लोगों को अकेले रहना ज्यादा पसंद आता है। कुछ लोग फैंड्स के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करते हैं, तो कुछ लोग अकेले ही एडवेंचर करते रहते हैं। कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जिन्हें जानवरों से लगाव होता है। तो वहीं मछली पालने के भी लोग बेहद शौकिन होते हैं।

ब्लूफिन टूना

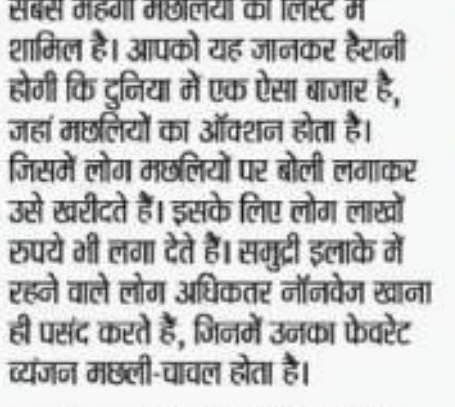

दुनिया की सबसे महंगी मछली की लिस्ट में सबसे पहला नाम ब्लूफिन टूना का आता है, जो इस साल की सबसे महंगी बिकने वाली मछली रही है। जिसकी कीमत 5000 प्रति पाउंड है। भारतीय रुपए के हिसाब से इसकी कीमत लगभग 4 लाख 20 हजार रुपये है। इसका स्वाद बाकी सभी मछलियों से काफी अलग होता है। जिसे लोग काफी चावल से खाना पसंद करते हैं।

अमेरिकन ग्लास ईल

वहीं, दूसरे स्थान पर अमेरिकन ग्लास ईल मछली का नाम आता है। जैसा कि नाम से ही समझ में आ रहा है कि यह अमेरिकन कंट्री में पाई जाती होगी। तो हां यह नॉर्थ अमेरिका के उत्तर पूर्वीय तटों में पाई जाती है। साइज में 3 इंच वाली यह मछली इंडियन मार्केट में 2,52,181 रुपये की बिकती है। इंटरनेशनल मार्केट में इसकी कीमत 3000 डॉलर प्रति पाउंड है। इस मछली की खासियत है कि यह 4 फीट तक बढ़ सकती है।

जंगली अलास्का किंग सैल्मन

मछली के साथ चावल खाने वाले लोगों को काफी ज्यादा पसंद आने वाले मछलियों में जंगली अलास्का किंग सैल्मन नाम शामिल है। भारतीय मार्केट में इसकी कीमत लगभग रुपये 6000 तक होती है। वहीं, इंटरनेशनल मार्केट में इसकी कीमत 70 प्रति पाउंड है, जो स्वाद में काफी लाजवाब और टेस्टी होता है।

पफर फिश

इसके बाद पफर फिश का नाम आता है। यह काफी ज्यादा खतरनाक भी होती है, क्योंकि इसके शरीर के चारों तरफ कांटे लगे होते हैं। इनमें विष भी होता है, अगर यह हाथ में गड़ जाए, तो शरीर पर विष फैल सकता है। इसकी सबसे ज्यादा डिमांड अमेरिका में है। इस मछली की कीमत 200 प्रति पाउंड है। इंडियन रुपये के हिसाब से यह रुपये 17000 है।

स्वोर्ड फिश

आपने अक्सर स्वोर्ड मछली के बारे में सुना होगा। यह तलवार की तरह दिखती है, जिसकी चोंच काफी नुकीली होती है। इंडियन मार्केट में इसकी कीमत 5100 रुपये है। यह मछली अटलांटिक महासागर में पाई जाती है। वहीं, इंटरनेशनल मार्केट की बात करें तो इसकी कीमत 60 प्रति पाउंड है। महंगी शादी, पार्टियों में इसे स्पाईस तरीके से बनाया जाता है।

दुनिया का इकलौता देश जहां मात्र 40 मिनट की होती है रात

समय का चक्र निरंतर घूमता रहता है। दुनिया के किसी हिस्से में सूर्य चमक रहा होता है, तो किसी हिस्से में रात का अंधेरा छाया होता है। सभी जगह दिन और रात का समय अलग-अलग होता है। भारत और अमेरिका के घड़ी की बात करें, तो इसमें काफी ज्यादा अंतर पाया जाता है। विभिन्न देशों में दिन और रात की लंबाई अलग-अलग होती है। कहीं पर दिन काफी ज्यादा लंबा होता है, तो कहीं रात काफी ज्यादा लंबी होती है। दुनिया में एक ऐसा देश भी है, जहां सबसे कम समय की रात होती है। यहां आधी रात के बाद सूर्य डूबता है और कुछ ही समय में फिर से उग जाता है।

दुनिया का इकलौता देश

जी हां! यह सुनकर आपको आश्चर्य जरूर हो रहा होगा, लेकिन यह बिल्कुल सच है। दरअसल, इस देश का नाम नॉर्वे है, जहां मात्र 40 मिनट की रात होती है। इसे लैंड ऑफ द मिडनाइट सन भी कहा जाता है। यहां रात करीब 12 बजकर 43 मिनट पर सूरज डूबता है और इसके 40 मिनट बाद, यानी रात के 1 बजकर 30 मिनट पर फिर से सूर्य उदय हो जाता है।

पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र

दरअसल, यह देश आर्कटिक सर्किल के पास है। जिस कारण गर्मी के महीने में सूर्य की किरणें इस क्षेत्र में सीधे पड़ती है, इसलिए यहां सूर्य बहुत कम देर के लिए ढलता है और रात बहुत छोटी होती है। यही कारण है कि नॉर्वे पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र है।

समृद्ध देशों में से एक

नॉर्वे उत्तरी यूरोप में स्थित है। इसके पश्चिम में अटलांटिक महासागर, पूर्व में स्वीडन, उत्तर में फिनलैंड और रूस है। यह दुनिया के सबसे समृद्ध देशों में से एक है। यहां की सुंदरता देखने लायक है। यदि आप भी इस जगह जाकर आनंद उठाना चाहते हैं, तो आप अपने फैमिली, फैंड्स या फिर पार्टनर के साथ जा सकते हैं।

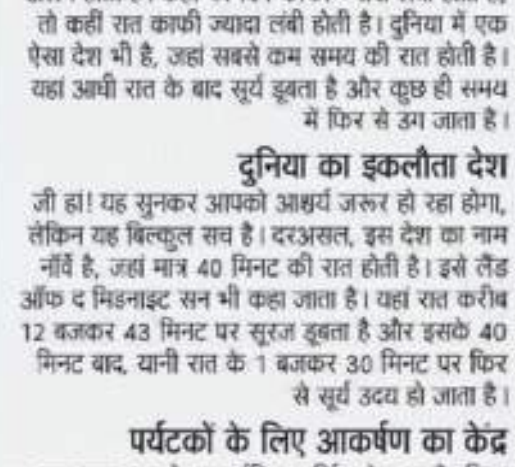

कलिंग समाचार

संपादकीय

रविवार 14 दिसंबर 2025

अर्थव्यवस्था की हालत ठीक नहीं है

विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच रुपया पहली बार 90 प्रति डॉलर के नीचे चला गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 25 पैसे टूटकर 90.21 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो इसका अब तक का सबसे निचला स्तर था, लेकिन यह गिरावट यहीं नहीं थमी, बल्कि गुरुवार को एक डॉलर की कीमत 90 रुपए 42 पैसे हो गई। 2025 में रुपया 4 से 5 प्रतिशत की गिरावट के साथ एशिया में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली एशियाई मुद्राओं में शामिल हो गया है। हालांकि यह दुख की बात है मोदी सरकार अपनी इस नाकामी को न मान रही है, न उसमें सुधार के लिए कोई काम करती दिख रही है। 11 सालों में एक बार भी ऐसा नहीं हुआ कि मोदी सरकार की नीतियों के कारण रुपये की कीमत में सुधार आया हो। बल्कि लगातार गिरावट ही दर्ज होती रही। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक बार कहा था कि रुपया कमजोर नहीं हो रहा, डॉलर मजबूत हो रहा है, लेकिन इस बार उनका ऐसा बेतुका तर्क भी सरकार का बचाव नहीं कर पाएगा, क्योंकि अमेरिकी डॉलर इंडेक्स तो स्थिर ही है। दरअसल भारतीय बाजार पर विदेशी निवेशकों का घटता भरोसा रुपए की गिरावट का अहम कारण बन रहा है। बताया जा रहा है कि भारत और अमेरिका में व्यापार समझौते पर अनिश्चितता कायम रहने और रुपये की गिरावट थामने के लिए रिजर्व बैंक के आगे न आने से स्थानीय मुद्रा रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई। वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 3,642 करोड़ रुपये की बिकवाली की। इस वर्ष भारत ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेश में 16 से 18 अरब डॉलर की निकासी देखी, जबकि शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश लगभग 30 अरब डॉलर के आसपास स्थिर रहा। यानी भारतीय बाजार से डॉलर अधिक निकले और निवेश कम हुए। इसके साथ ही, हर महीने वस्तु व्यापार घाटा 25–30 अरब डॉलर के बीच रहा। देश से पूंजी का बाहर जाना और आयात की मांग बढ़ना इन वजहों से रुपया कमजोर होता गया। रुपए में यकायक कोई बड़ी गिरावट नहीं आई, यह सिलसिला कई महीनों से चल रहा है। लेकिन मोदी सरकार देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बताती रही। अभी सितंबर तिमाही 2025 में, भारत की जीडीपी वृद्धि दर 8.2प्रतिशत रही है, ऐसा दावा सरकार ने किया और उस पर अपनी पीठ भी थपथपाई। लेकिन इसी दौरान रुपये का मूल्य लगभग 5 प्रतिशत गिर गया, उस पर सरकार ने कुछ नहीं कहा। गौरतलब है कि भारत तेल, कच्चा माल, इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी का आयात करता है, जिसका भुगतान डॉलर में होता है, वहीं, उच्च अमेरिकी ब्याज दरों से आकर्षित होकर वैश्विक निवेशक भारत जैसे उभरते बाज़ारों से पैसा बाहर निकाल रहे हैं, इससे भी डॉलर की आवश्यकता बढ़ रही है, जबकि आने वाले डॉलर की आपूर्ति घट रही है। जब डॉलर की मांग रुपये की मांग से अधिक हो जाती है, तो रुपये का मूल्य गिरना तय है। ज्यादा आयात, धीमे निर्यात और अस्थिर पूंजी प्रवाह रुपये की गिरावट का मु य कारण हैं। और यह गिरावट अब महंगाई को बढ़ाएगी यह तय है। रुपए में गिरावट के साथ ही तेल और गैस कंपनियां, एयरलाइंस, ऑटोमोबाइल निर्माता, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादक और केमिकल कंपनियों की लागत तुरंत बढ़ जाती है। आयातित खाद्य पदार्थ और दवाइयां भी महंगी हो जाती हैं। विदेश में शिक्षा और यात्रा भी परिवारों के लिए महंगी हो जाती है। डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने से कं ज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, ब्यूटी और कार कंपनियां कीमतें बढ़ा सकती हैं। इससे जीएसटी में कटौती के बाद इन क्षेत्रों में हुई अच्छी बिक्री का ट्रेंड पलट सकता है। अभी दीपावली पर जीएसटी में कटौती कर मोदी सरकार ने डबल दीवाली की बात कही थी। लेकिन अब डबल दीवाली की जगह दीवाला निकलने का डर लग रहा है। खबरों के अनुसार स्मार्टफोन, लैपटॉप, टीवी और बड़े उपकरण निर्माता कंपनियां दिसंबर–जनवरी से कीमतों में 3–7 प्रतिशत तक का इजाफा कर सकती हैं। कमजोर रुपये की वजह से मेमोरी चिप्स, कॉपर और दूसरे पार्ट्स की कीमतें बढ़ेंगी, जिनसे निपटने के लिए कंपनियों को प्रोडक्ट्स महंगे करने पड़ सकते हैं।

व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता, 2020 को वापस लेना होगा

डॉ. अरुण मित्रा

पेशाजन्य स्वास्थ्य और सुरक्षा लंबे समय से स्वास्थ्य कर्मचारियों के साथ-साथ श्रम संगठनों के लिए भी गंभीर चिंता का विषय रहा है। 2007 में जेनेवा में हुई 60वीं वर्ल्ड हेल्थ असेंबली ने %वर्कर्स हेल्थ% ग्लोबल प्लान ऑफ एक्शन% का खाका तैयार किया था। यह मानता है कि वर्कर्स दुनिया की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं और आर्थिक और सामाजिक विकास में मु य योगदान देने वाले हैं। लेकिन उनमें से बहुत कम लोगों के पास पेशेवर स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच है।अन्तरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के अनुमान के मुताबिक, दुनिया भर में हर साल 20.2 लाख मौतें, यानी कुल मौतों का 3.6प्रतिशत, काम से जुड़ी दुर्घटनाएं या बीमारियों की वजह से होती हैं और दुनिया की सालाना जीडीपी का 4प्रतिशत इसकी वजह से नष्ट हो जाता है।

इंडियन पॉपुलेशन क्लॉक के मुताबिक, हमारे देश में हर साल 97 लाख मौतें होती हैं। इनमें से लगभग 48000 वर्कर यानी हर साल कुल मौतों का 4.8प्रतिशत काम से जुड़ी दुर्घटनाओं की वजह से होती हैं। कंस्ट्रक्शन सेक्टर में 24.20 प्रतिशत मौतें होती हैं। इनमें से कई दुखद घटनाओं को सही रोकथाम, रिपोर्टिंग और इंस्पेक्शन के तरीकों को लागू करके रोका जा सकता है।

भारत में लगभग 54 करोड़ श्रमिक काम पर हैं। उनमें से लगभग 3 प्रतिशत सरकारी विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में हैं। सिर्फ वे ही सामाजिक सुरक्षा के तहत आते हैं। शेष कामगारों में से बहुत कम औपचारिक क्षेत्र में हैं, जबकि ज़्यादातर, 93 प्रतिशत, अनौपचारिक क्षेत्र में हैं।

सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों के अलावा, कुल कार्यबल का सिर्फ 11 प्रतिशत ही सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत आते हैं। इसलिए, काम से जुड़ी सुरक्षा बहुत जरूरी मुद्दा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सुझाव दिया था कि अलग-अलग क्षेत्रों में कामों के तालमेल के लिए सिस्टम बनाया जाना चाहिए। यह ज़रूरी है क्योंकि अलग-अलग क्षेत्रों में सेहत पर इसका असर अलग-अलग होता है। खनन में लगे लोगों को अपने आस-पास मौजूद किसी खास चीज़ के संपर्क में आने से होने वाली बीमारियों का खतरा ज़्यादा होता है। नाभिकीय उद्योग में काम करने वालों को रेडिएशन के खतरे का सामना करना पड़ता है। अस्पतालों में काम करने वाले लोग फैलने वाली बीमारियों के संपर्क में आते हैं। कंस्ट्रक्शन में काम करने वाले लोगों को गंभीर चोटें लगने की संभावना ज़्यादा होती है। सीवर में काम करने वाले लोग बेकार चीज़ों और जहरीली गैसों के संपर्क में आते हैं। बचाव, इलाज और मुआवज़े के तरीके भी उसी हिसाब से अलग-अलग होते हैं। आर्थिक गतिविधियों के ज़्यादा जोखिम वाले क्षेत्र और कम सेवा पाने वाले और कमज़ोर कामकाजी लोगों, जैसे कि कम उम्र के और ज़्यादा उम्र के काम करने वाले, दिव्यांग और बाहर से आए काम करने वाले लोगों पर खास ध्यान देना होगा, जिसमें जेंडर के पहलुओं का भी ध्यान रखा जाएगा। विटामिन और फूड सप्लीमेंट खरीदें

21 नवंबर, 2025 को लागू किए गए व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता, 2020(ओएसएच और डब्ल्यूसी कोड) ने कामगारों की सुरक्षा के कई प्रावधानों को पूरी तरह से नकार दिया है। यह असरदार तरीके से लागू करने और भारतीय कार्यबल के बड़े हिस्से को कवर करने के मु य मुद्दों को हल करने में नाकाम रहा है। यह कोड 13 केन्द्रीय श्रम कानूनों को एक साथ लाता है जो पहले फ़ैक्टरियों, खदानों, डॉक, कंस्ट्रक्शन, ट्रांसपोर्ट, प्लांटेशन, कॉन्ट्रैक्ट लेबर और माइग्रेंट लेबर जैसे क्षेत्र के कामगारों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, और सेवा शर्तों को नियंत्रित करते थे। नये कोड में इस तरह की खासियतों को नजरअंदाज़ किया गया है।

यह श्रम संहिता उन नॉन-रजिस्टर्ड जगहों पर काम करने वाले कामगारों की चिंताओं को नजरअंदाज़ करता है, जो कुल वर्कर्स के 93 प्रतिशत से ज़्यादा हिस्सा हैं। सुपरवाइज़र और मैनेजर को इसके कवरेज से बाहर रखा गया है जो गलत है।

कोड में सभी कामगारों को शामिल किया जाना चाहिए, चाहे वे किसी भी तरह के काम के हों, जैसे अप्रेंटिस/ट्रेनी, क्योंकि उन्हें भी कई तरह के रिस्क होते हैं; कई बार अनुभव की कमी के कारण उन्हें नियमित कामगारों से भी ज़्यादा जोखिम होता है। दूसरी श्रेणी के कामगार, जैसे खेती, घरेलू काम, सीवरेज, नमक, सिक्योरिटी गार्ड, जंगल, आईटी, कूरियर, आंगनबाड़ी आदि के हितों को काफी हद तक नजरअंदाज़ किया गया है। स्पष्ट कारणों से महिला कार्यबल के हितों को प्राथमिकता देनी होगी।

ओएसएच कोड कई कानूनी सुरक्षा उपायों को कमज़ोर करता है जो पहले के क्षेत्र विशेष के कानूनों जैसे कि फ़ैक्टरी एक्ट, माइंस एक्ट, कॉन्ट्रैक्ट लेबर एक्ट और इंटर-स्टेट माइग्रेंट वर्कर एक्ट के तहत मौजूद थे। इनमें से कई पुराने कानूनों में खास तौर पर ज़्यादा जोखिम वाले सेक्टर के लिए विस्तार से नियम बनाए गए थे। नया कानूनी ढांचा नियोक्ताओं और सरकारों को बहुत ज़्यादा सुविधा देता है, जबकि कामगारों को अनेक अधिकारों से दूर रखता है। इसके अलावा, कोड सिर्फ उन जगहों पर लागू होता है जहां 10 या उससे ज़्यादा वर्कर हैं, खतरनाक कामों के लिए कुछ छूट हैं। कई राज्यों के ड्रा ट नियमों में एक फैक्टरी को फिर से परिभाषित करने का प्रस्ताव है, जिसमें बिजली वाले 20 और बिना बिजली वाले 40 वर्कर होने चाहिए, जबकि पहले यह सीमा क्रमशः 10 और 20 थी। यह तकनीकी बदलाव वर्क र कवरेज पर गहरा असर डालता है। शिकायत सुलझाने के तरीके खराब कर दिए गए हैं। कोड वर्कर्स के लिए शिकायत करने या असुरक्षित काम करने के हालात के लिए उपाय करने के लिए कोई मज़बूत रास्ता नहीं बनाता है। सुरक्षा विवादों के लिए कोई स्वतंत्र अथॉरिटी नहीं है, और वर्कर्स को एक कमज़ोर इंस्पेक्शन सिस्टम पर निर्भर रहना पड़ता है। इससे नियमों के उल्लंघन की रिपोर्टिंग में रुकावट आती है, खासकर कॉन्ट्रैक्ट और माइग्रेंट वर्कर्स के बीच, जिन्हें बदले की कार्रवाई का डर रहता है। काम के ज़्यादा घंटे और लेक्सिबल वर्क शि ट का मज़बूत प्रावधान है। यह कोड काम के घंटों में काफ़ी लोच देता है। हालांकि यह नाम के लिए 48 घंटे का वर्कवीक बनाए रखता है, लेकिन राज्य के ड्रा ट और नियम रोज़ाना 12 घंटे की शि ट की इजाज़त देते हैं। यह दशकों में मुश्किल से हासिल किए गए मज़दूरों के अधिकारों को वापस लेना है, खासकर 20वीं सदी की शुरुआत से चले आ रहे आठ घंटे के काम के सिद्धांत को। कोई हैरानी नहीं कि इंफोसिस के चेयरमैन नारायण मूर्ति ने (शायद सरकार के कहने पर) ह ते में 70 घंटे काम करने की राय दी थी। सुब्रमण्यम तो और आगे बढ़कर ह ते में 90 घंटे काम करने की मांग करने लगे। अनुसंधान के ज़रिए चिकित्सा विज्ञान इस नतीजे पर पहुंचा है कि हमारा शरीर लगातार 8 घंटे भी प्रोडक्टिव नहीं रह पाता, खास तौर पर इसे %सर्कैडियन रिदम% कहते हैं, यानी हमारे रोज़ के बायोलॉजिकल साइकिल की वजह से। वैज्ञानिक आम तौर पर इस बात से सहमत हैं कि काम करने का सही समय लगभग 6 घंटे है, और सुबह के समय इस पर ज़्यादा ध्यान देना चाहिए।

साफ-सुथरा माहौल, पीने का पानी और ऐसी दूसरी सुविधाओं की कमी में मज़दूरों के स्वस्थ रहने और अपनी पूरी क्षमता से काम करने की उ मीद कम होती है।

अब समय आ गया है कि मज़दूरों की यूनियनें, सोशल एक्टिविस्ट, जागरूक नागरिक और राजनीतिक पार्टियां मज़दूरों की स्वस्थ ज़िंदगी के हक़ के लिए खड़े हों और सरकार पर ओएसएच और डब्ल्यूसी कोड वापस लेने के लिए दबाव डालें।

लोक शिक्षण के लिए समर्पित–पन्नालाल सुराणा

बाबा मायाराम

पन्नालाल सुराणा, सादगी, ईमानदारी, आदर्श की मिसाल थे। लिंगराज भाई ने बताया कि वे पूरे देश में घूम-घूमकर युवाओं को प्रशिक्षित करते रहते थे। इसके लिए लिखना और पढ़ना जीवनभर करते रहे। उन्होंने कुछ समय पत्रकारिता भी की और एक समाचार पत्र के संपादक भी थे। ऐसे लोगों से यह भी सीखा जा सकता है कि कार्यकर्ताओं का जीवन कैसा होना चाहिए। हाल ही में महाराष्ट्र के जाने-माने समाजवादी पन्नालाल सुराणा का निधन हो गया। वे 93 वर्ष के थे। वे एक ऐसे समर्पित व प्रतिबद्ध समाजवादी थे, जिन्होंने आदर्शवादी जीवन जिया। पूरे देश भर में घूम-घूमकर लोक शिक्षण करते रहे और कई किताबें भी लिखीं।

मुझे एक बार ही उन्हें सुनने का मौका मिला, जब हमारे कस्बे पिपरिया में आए थे। वहां एकलव्य संस्था के पुस्तकालय में एक छोटी गोष्ठी हुई थी, उसमें उनके विचार जानने को मिले। लेकिन मैं उनके बारे में कई लोगों से सुनता रहा हूं। पिछले कुछ महीनों से मैं ओडिशा के बरगढ़ शहर में हूं और यहां समता भवन में मेरा प्रवास है। यह समता भवन, प्र यात समाजवादी किशन पटनायक की याद में बना है। किशन पटनायक की पहल पर वर्ष 1995 में समाजवादी जन परिषद की स्थापना हुई थी, उससे भी पन्नालाल सुराणा जुड़े रहे हैं। वे राष्ट्र सेवा दल के भी पूर्व अध्यक्ष थे।

कल सामाजिक कार्यकर्ता लिंगराज भाई से पन्नालाल सुराणा के बारे में बात हो रही थी, तो उन्होंने बताया कि वे कई बार पन्नालाल सुराणा से मिले हैं। बैठकों और कार्यक्रम में साथ रहे हैं। उनके द्वारा लातूर भूकंप से पीड़ित बच्चों के लिए बनाए गए आपलां घर (अपना घर) में भी गए हैं। इस भूकंप में बड़ी सं या में लोग मारे गए थे और भारी तबाही हुई थी। सुराणा जी ने भूकंप पीड़ित बच्चों के लिए घर बनाया है, यहां बच्चों का शिक्षण व पालन-पोषण होता है। उन्होंने बताया कि वे आजादी आंदोलन के समय के बहुत ही समर्पित समाजवादी थे। किशन पटनायक, सुरेन्द्र मोहन, भाई वैद्य सभी एक ही पीढ़ी के थे। इन्होंने आजादी आंदोलन से लेकर जीवनपर्यंत तक देश को बनाने, युवाओं का शिक्षण करने और देश भर घूम-घूम कर लोगों को जगाने का काम किया। जीवन भर विचारों के लिए समर्पित रहे। वे बताते हैं कि किशन पटनायक के साथ वे कई बार महाराष्ट्र गए हैं और भाई वैद्य, जी.जी.पारिख, भाई वैद्य से मिलते रहे हैं। लिंगराज भाई बताते हैं कि महाराष्ट्र में सामाजिक कामों की ल बी परंपरा है। उन्होंने इस संदर्भ हाल ही समाजवादी दिवंगत जी.जी. पारिख को भी याद किया। जिन्होंने युसूफ मेहर अली केन्द्र के माध्यम से कई रचनात्मक काम किए। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में रचना और संघर्ष की महत्वपूर्ण परंपरा रही है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में सामाजिक कार्यकर्ताओं के जीवकोपार्जन के लिए सहयोग की भी परंपरा है। ऐसे कार्यकर्ता, जो समाज कार्य में अपना समय लगाते हैं, यानी पूरावक्ती कार्यकर्ता होते हैं, उन्हें सहयोग देने में यह राज्य अग्रणी रहा है। वहां ऐसी कई संस्थाएं व समूह हैं, जो ऐसा सहयोग देते रहे हैं। मुझे किशन पटनायक, सुनील भाई जैसे समाजवादी विचारों के लिए समर्पित विचारकों से मिलने, सुनने और उनके साथ समय गुजारने का मौका मिला है। जहां एक तरफ ये लोग देश के सामयिक मुद्दों, ज्वलंत सवालों से जूझते रहते थे, संघर्षरत थे, आंदोलनरत रहे हैं, सोचने का वैकल्पिक नजरिया दिया, वहीं दूसरी तरफ इन्होंने एक सादगीपूर्ण और आदर्शवादी जीवन की मिसाल भी पेश की है। पन्नालाल सुराणा, सादगी, ईमानदारी, आदर्श की मिसाल थे। लिंगराज भाई ने बताया कि वे पूरे देश में घूम-घूमकर युवाओं को प्रशिक्षित करते रहते थे। इसके लिए लिखना और पढ़ना जीवनभर करते रहे। उन्होंने कुछ समय पत्रकारिता भी की और एक समाचार पत्र के संपादक भी थे। ज़्यादा जानें शिक्षा शिक्षण हिंदी समाचार सदस्यता स पादकीय सामग्री टैबलेट स पादकीय सामग्री राजनीतिक विश्लेषण सेवा क्षेत्रीय समाचार अलर्ट हेडफोन राजनीतिक विश्लेषण ऐसे लोगों से यह भी सीखा जा सकता है कि कार्यकर्ताओं का जीवन कैसा होना चाहिए। इस संदर्भ में किशन पटनायक की याद करना उचित होगा। उनका कोई घर नहीं था, न कोई जमीन, न संपत्ति और न ही कोई बैंक बैलेंस। न उन्होंने लोकसभा सदस्य के नाते पेंशन ली। 60 वर्ष की आयु के बाद रेलवे का पास लिया था। उन्होंने अपनी जरूरतें बहुत ही सीमित कर ली थी। लेकिन सामाजिक बदलाव की चाह में रात-दिन लगे रहते थे। किशन जी से मेरा संपर्क 80 के दशक में हुआ। मुझे लगातार उनसे मिलने, बात करने और साथ में यात्रा करने का मौका मिलता रहा। वे मितभाषी थे और समय के बहुत पाबंद। अक्सर बैठकों में पीछे बैठते थे और सबको चुपचाप सुनते रहते थे और अंत में बोलते थे। इसी प्रकार मैं समाजवादी विचारक सुनील भाई की याद करना चाहूंगा, जिनके साथ मुझे ल बे समय तक काम करने का मौका मिला। उनके विचार व जीवनशैली में कोई फांक नहीं थी। यहां मैं उनके रचनात्मक व उत्पादक कामों की चर्चा करना चाहूंगा। उन्होंने एक आदिवासी गांव में बहुत ही साधारण जीवनशैली में जीवन व्यतीत किया। एक साधारण ग्रामीण की तरह जीवन जिया।

सुबह-शाम उनके घर पर गांव के कई साथी जुटते थे। कई बार मैंने सुनील भाई को गांव के लोगों के साथ मिलकर खाना खाते देखा था। जब ल बे आंदोलन चलते थे तो गांव के लोग घर से मक्के की रोटी, महुआ का भुरका, भुना चून (आटा), मिर्ची की चटनी और कांदा (प्याज) लाते थे। सुनील भाई गांव वालों के साथ ही खाना खाते थे, चाहे वह दो-दिन का बासा भी हो। उन्होंने एक सादगी व आदर्शपूर्ण जीवन जिया। मध्यप्रदेश के एक और समाजवादी ओमप्रकाश रावल का जिक्र करना उचित रहेगा, जिन्होंने जीवन भर सिद्धांतों व विचारों से समझौता नहीं किया। मैंने उनके साथ ल बा समय गुजारा है। मुझे दो साल तक उनके घर में ही रहने का मौका मिला था। वे वर्तमान की तामझाम व जीवनशैली के पक्ष में नहीं थे। उन्होंने अपने एक लेख में लिखा है कि न्यूनतम आवश्यकताओं पर आधारित सतत चलने वाली विकास की पद्धति जो विकेंद्रित व्यवस्था एवं पर्यावरण के संरक्षण पर ही संभव है, यदि नहीं अपनाई गई तो मनुष्य जाति जिंदा नहीं रह सकेगी। शीघ्र ही नई पीढ़ी तथाकथित विकास के लंबरदारों से सवाल करेगी कि तु हें ऐशो-आराम के लिए भावी पीढ़ी की संपत्ति को लूट लेने और नष्ट-भ्रष्ट कर डालने का क्या हक है? इस प्रश्न को समझ कर विकास की ऐसी वैकल्पिक नीति चलानी होगी जो हमेशा-हमेशा के लिए कायम रहे तथा जो पर्यावरण की भी रक्षा करे और सामाजिक न्याय भी स्थापित करें। कुल मिलाकर, देश में एक आदर्शवादी समाजवादी परंपरा रही है। इसमें कई और नाम जोड़े जा सकते हैं। इन सब लोगों का जीवन सिद्धांत व मूल्यों से संचालित रहा है, जिसमें पन्नालाल सुराणाजी भी शामिल थे। यह ऐसी पीढ़ी थी, जिन्होंने दिया ज्यादा और लिया बहुत कम। ऐसे दौर में जब समाज में जीवन मूल्य इतने गिर गए हों, कोई बिना लोभ-लालच के सार्वजनिक व राजनैतिक काम न करता हो, पन्नालाल सुराणा जैसे लोगों को देखकर किसी भी देशप्रेमी का दिल उछल सकता है। उन्होंने बच्चों के लिए स्कूल, रचनात्मक लेखन, लोक शिक्षण जैसे रचना के काम किए हैं, जो प्रेरणादायी हैं, और सदैव रहेंगे। क्या हम उनके जीवन और विचार से कुछ सीख सकते हैं?

मोदी का भाषण संविधान नहीं कांग्रेस पर

लोकसभा के लिये वह एक महत्वपूर्ण क्षण हो सकता था यदि श्संविधान की 75 साल की गौरवशाली यात्राश् पर आयोजित दो दिवसीय चर्चा के अवसर पर दिये अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाकई कुछ ऐसा कहते जो भारत के संसदीय इतिहास के पन्नों में चमकदार अक्षरों में दज़् होता। इससे वह एक उपयोगी सत्र भी होता। पिछले 11 वर्षों से मोदी जो कहते रहे हैंए वे उससे एक इंच भी आगे बढ़ते नज़र नहीं आये। यह ऊब और निराशा के नये स्तरों को छूता हुआ उनका भाषण था जबकि वे ऐसे दस्तावेज़ के बारे में बात कर रहे थे जिसने भारत को पिछला सब कुछ भूलकर आगे की ओर देखना.बढ़ना सिखाया है। इस संविधान ने देश को रातों.रात मध्य युग से निकालकर आधुनिक दुनिया के आलोक में खड़ा किया था लेकिन मोदी हैं कि आजादी के पहले के उसी प्राचीन अंधकार में लौटना चाहते हैंए जो उनके पहले के अनेक भाषणों से परिलक्षित तो होता ही रहाए शनिवार को लोकसभा में अपने उद्बोधन द्वारा उन्होंने पुष्टि कर दी वे इतिहास की बेड़ियों में खुद को जकड़े रखना चाहते हैं। वे देश को भी पीछे पलटाने पर आमादा हैं। साल 2013.14 में मोदी को उनकी भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें प्रधानमंत्री पद का उ मीदवार घोषित किया तो उन्होंने अपने चुनाव प्रचार का मु य आधार कांग्रेस विरोध को बनाया। उन्होंने पहले के प्रधानमंत्रियों एवं कांग्रेस की सरकारों को अपने निशाने पर लिया। उन्होंने यह कहकर विकास के सब्ज़बाग दिखाये कि भारत में पिछले 60 वर्षों में कुछ नहीं हुआ। मोदी ने यह कहकर जबर्दस्त जनसमर्थन हासिल किया कि कांग्रेस को 60 साल दिये गयेए उन्हें केवल 60 माह दिये जायें। एक मजबूत प्रचार तंत्र के जरिये तथ्यों की तोड़.मरोड़ के साथ तथा राष्ट्रनायकों को लांछित एवं अपमानित करते हुए मोदी का प्रचार अभियान यह देश दशक भर से देख रहा है। ऐसा नहीं कि चुनाव जीतने के बाद तथा पीएम बन जाने परए वह भी एक बार नहीं वरन तीन बारए यह कुत्सित प्रचार रुक जाये. वह बदस्तूर जारी है।

विविध समाचार

सैनिक स्कूल कपूरथला पहुंचे एयर कमोडोर शक्ति शर्मा, जर्जर भवन और हॉस्टल का किया निरीक्षण

कपूरथला १३/१२ (संवाददाता): सैनिक स्कूल सोसायटी (रक्षा मंत्रालय) की निरीक्षण अधिकारी एयर कमोडोर शक्ति शर्मा ने सैनिक स्कूल कपूरथला का दौरा किया। अपने एक दिवसीय दौरा के क्रम में निरीक्षण अधिकारी ने स्कूल के शैक्षणिक गतिविधियों तथा प्रशासनिक कार्य संपादन का जायजा लिया। सर्वप्रथम उन्होंने स्कूल स्थित स्मृति स्थल पर जाकर शहीदों को पुष्प अर्पित करके सम्मान दिया। तत्पश्चात स्कूल एनसीसी के गार्ड ऑफ ऑनर का उन्होंने निरीक्षण कर सल्यूट लिया। निरीक्षण के क्रम में एयर कमोडोर ने स्कूल बिल्डिंग, सभी लैब्स, आर्ट रूम, क्लास रूम तथा सभी छात्रावासों आदि का निरीक्षण करते हुए विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने स्कूल कार्यालय के सभी प्रशासनिक कागजातों ,शैक्षणिक गतिविधियों, कैडेट्स ट्रेनिंग से संबंधित निर्धारित वार्षिक योजनाओं कार्यक्रमों, बोर्ड परीक्षा (ग्रुप) के परिणामों, एनडीए रिजल्ट आदि पर विस्तार से चर्चा की। जानकारी हो कि सैनिक स्कूल कपूरथला का शैक्षणिक और प्रशासनिक भवन तथा छात्रावास काफी जर्जर हो चुका है। यह भवन करीब सवा सौ वर्ष पुराना और काफी जर्जर हुआ पड़ा है, जो खतरे से खाली नहीं है। वर्षा काल में अनेकों तरफ से पानी लीक होता रहता है जिसके कारण कक्षाओं में पढ़ाई–लिखाई बाधित हो जाती है। भवन के कुछ भाग को 'आउट ऑफ बॉन्ड ' तक किया जा चुका है। प्राप्त सुचनानुसार सैनिक स्कूल सोसाइटी और रक्षा मंत्रालय को प्राचार्या ग्रुप कैप्टन मधु सेंगर ने पूर्व में ही सूचना दे दी है। जानकारी के अनुसार इस जर्जर भवन और छात्रावासों के निरीक्षण हेतु उक्त एयर कमोडोर शक्ति शर्मा का आज दौरा हुआ है। इसके पूर्व स्कूल सभागार में आयोजित विशेष एसेम्बली में कैडेट्स को संबोधित करते हुए उन्होंने कैडेट्स से अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, देशभक्ति और शिक्षा के प्रति झुकाव गहरा करने का आह्वान किया। अंत में निरीक्षण अधिकारी ने कैडेट्स से कहा कि कैडेट्स अपने भविष्य को लेकर हमेशा सचेत रहें। सैनिक स्कूल कपूरथला का अतीत बड़ा ही शानदार रहा है। यहाँ से पढ़ने वाले विद्यार्थी जीवन के हर क्षेत्र में सर्वोपरि रहे हैं। विशेष कर देश की रक्षा सेवा में यहाँ के छात्र सर्वोच्च स्थान तक पहुँचे हैं। आप सभी इसका लाभ उठाएँ और जीवन में श्रेष्ठ बनें। स्कूल की प्रधानाचार्या ग्रुप कैप्टन मधु सेंगर ने उनका स्वागत करते हुए यहाँ आने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में उप प्रधानाचार्य कमांडर संदीप सिंह विर्क, प्रशासनिक पदाधिकारी ले कर्नल उमेश मोले सहित स्कूल परिवार उपस्थित था।

संजौली मस्जिद विवाद : हाईकोर्ट ने यथास्थिति बनाए रखने के दिए आदेश, नीचे की 2 मंजिल छोड़ ऊपर की मंजिलें तोड़नी होंगी

शिमला १३/१२ (संवाददाता): हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में बहुचर्चित संजौली मस्जिद के अवैध ढांचे को गिराने के फैसले के खिलाफ वक्फ बोर्ड की ओर से हाईकोर्ट में दायर याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई न्यायाधीश अजय मोहन ने की। अदालत ने मामले में नगर निगम को नोटिस जारी किया है और यथास्थिति बनाए रखने के आदेश जारी किए। अदालत ने ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर यथास्थिति बनाए रखने, जबकि ऊपरी मंजिलों को खुद तोड़ने के आदेश को बरकरार रखा है। मामले की अगली सुनवाई अब 9 मार्च में होगी। वक्फ बोर्ड ने शिमला नगर निगम आयुक्त और जिला अदालत के फैसले को चुनौती दी है। पहले भी इस संबंधित याचिका दायर की गई थी जिसे शुक्रवार को वापस ले लिया गया था।फिर वक्फ बोर्ड ने नए सिरे से याचिका दायर की थी। बता दें 30 अक्तूबर को जिला अदालत ने शिमला नगर निगम आयुक्त के 3 मई 2025 के उन आदेशों को सही ठहराया था, जिसमें निगम आयुक्त ने पूरी मस्जिद को अवैध बताते हुए पूरा ढांचा हटाने के आदेश दिए थे। मगर इन आदेशों को वक्फ बोर्ड और मस्जिद कमेटी ने जिला अदालत में चुनौती दी। जिला अदालत ने सुनवाई के दौरान निगम आयुक्त के आदेशों को सही ठहराया और 30 दिसंबर तक अवैध ढांचे को गिराने के निर्देश दिए।

खून से लाल हुआ हाइवे : पंजाब रोडवेज की बस और कार को घसीटता हुआ ले गया बेकाबू ट्रक, पल भर में गई तीन जिंदगियां

करनाल/घरौंडा १३/१२ (संवाददाता): करनाल जिले के घरौंडा में नेशनल हाइवे–44 पर एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ। यहां एक अनियंत्रित कंटेनर ट्रक ने कहर बरपाते हुए पंजाब रोडवेज की बस, एक कार और दो बाइकों को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण दुर्घटना में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह हादसा टोल प्लाजा से करीब एक किलोमीटर पहले हुआ। करनाल की ओर से आ रहा एक तेज रफ्तार कंटेनर अचानक बेकाबू हो गया। आशंका जताई जा रही है कि ड्राइवर को नींद की झपकी आने या नशे में होने के कारण ट्रक डिवाइडर तोड़ता हुआ रॉन्ग साइड (दूसरी तरफ) आ गया। रॉन्ग साइड आते ही ट्रक ने सबसे पहले सामने से आ रही पंजाब रोडवेज की बस को टक्कर मारी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस में बैठे यात्रियों में चीख–पुकार मच गई। बस को टक्कर मारने के बाद भी ट्रक की रफ्तार कम नहीं हुई। उसने सड़क पर चल रही एक कार और दो बाइकों को अपनी चपेट में ले लिया। ट्रक कार को घसीटता हुआ सर्विस लेन की रेलिंग तक ले गया, जहां जाकर वह पलट गया। इस दौरान कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और लोहे के ढेर में तब्दील हो गई। मौके पर मौजूद एक चश्मदीद (ऑटो यात्री) ने बताया कि यह हादसा उसकी आंखों के सामने हुआ। उसने बताया, "ट्रक ने कार को बुरी तरह कुचल दिया, जिससे उसमें सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद बाइक सवार भी ट्रक की चपेट में आ गए और उनकी भी जान चली गई।" हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे। कार में फंसे लोगों को बड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया, वहीं ट्रक ड्राइवर को भी शीशे तोड़कर बाहर निकाला गया। जांच अधिकारी राजेश मलिक ने बताया कि शवों को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया गया है। फिलहाल मृतकों की पहचान के लिए उनके आईडी प्रूफ और दस्तावेजों की जांच की जा रही है। पहचान होने के बाद पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मुख्यमंत्री ने निवेश के लिए पंजाब को सबसे पसंदीदा स्थान बताया, जापान के कारोबारी दिग्गजों को राज्य में निवेश का आमंत्रण

चंडीगढ १३/१२ (संवाददाता): पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जापान के प्रमुख उद्योगपतियों के समक्ष राज्य को सबसे पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करते हुए उन्हें अपने व्यावसायिक विस्तार के लिए पंजाब में निवेश करने का आमंत्रण दिया। जापान दौरे के पहले दिन मुख्यमंत्री ने जे.बी.आई.सी., आइसन इंडस्ट्री, यामाहा, होंडा मोटर, जे.आई.सी.ए. दक्षिण एशिया विभाग के महानिदेशक, टॉरे इंडस्ट्रीज, अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग मंत्रालय (एम.ई.टी.आई.) के संसदीय उप–मंत्री, फुजित्सु लिमिटेड और अन्य प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया। चर्चा के दौरान भगवंत सिंह मान ने उन्नत विनिर्माण, मोबिलिटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, खाद्य प्रसंस्करण, नवीकरणीय ऊर्जा और वैश्विक सेवाओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में जापान के साथ रणनीतिक सहयोग बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने जापानी कंपनियों को राज्य में उभर रहे नए अवसरों का अन्वेषण करने का आमंत्रण देते हुए कहा कि पंजाब का भविष्य इन क्षेत्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप नए रूप में आकार ले रहा है। मुख्यमंत्री ने निवेशकों को 13दृ15 मार्च 2026 को आईएसबी मोहाली कैंपस में होने वाले 6वें प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण दिया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह सम्मेलन पंजाब की प्रगति को प्रदर्शित करेगा और विश्व के बड़े उद्योगों को एक मंच पर लाकर साझेदारी और सहयोग के नए अवसर प्रस्तुत करेगा। उन्होंने दोहराया कि पंजाब और जापान विश्वास, गुणवत्ता और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के आधार पर

मजबूत व्यापारिक संबंध स्थापित कर सकते हैं और राज्य सरकार इन संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह समर्पित है। अपने दृष्टिकोण साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मजबूत आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों के माध्यम से विकास और समृद्धि का साझा भविष्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पंजाब की भारती अपने साहस, लचीलापन, मेहनत, उद्यमशीलता, रचनात्मकता और पारस्परिक भाईचारे के लिए जानी जाती है। उन्होंने कहा कि राज्य ने हमेशा भारत के विकास में, विशेषकर देश को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में, महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि आज पंजाब आधुनिक उद्योगों, तकनीक और वैश्विक सहयोग के लिए अग्रणी केंद्र बनने की दिशा में नए ष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहा है। जापानी उद्योग जगत के साथ पंजाब के मजबूत और उपयोगी संबंधों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने जापानी कंपनियों को पंजाब के बदलते औद्योगिक वातावरण के अगले चरण का हिस्सा बनने के लिए हार्दिक आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि विश्वास, अनुशासन और दीर्घकालिक साझेदारी की मूल्य–व्यवस्था पंजाब और जापान दोनों की नींव में है, जो राज्य के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकती है। भगवंत सिंह मान ने बताया कि कई जापानी कंपनियां पहले से ही पंजाब में अपने व्यवसाय के साथ उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर चुकी हैं और अब और अधिक प्रतिष्ठित कंपनियां भी राज्य में निवेश के प्रति विश्वास और रुचि दिखा रही हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री के आमंत्रण पर जापानी कंपनियों ने पंजाब में निवेश के प्रति गहरी दिलचस्पी जताई। भगवंत सिंह मान ने कहा कि ऐसे निवेश न केवल युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेंगे, बल्कि राज्य की आर्थिक प्रगति को भी और गति देंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार जापानी निवेशकों को हर स्तर पर पूर्ण समर्थन और सहयोग प्रदान करेगी तथा राज्य में औद्योगिक विकास को और प्रोत्साहन देना समय की आवश्यकता है।

मनुष्य के लिए हर रूप में आवश्यक व महत्वपूर्ण है मिट्टी

भारतीय संस्कृति में मिट्टी को धरती माता के रूप में सबकी जननी और माता के रूप में सम्मानित स्थान प्राप्त है। मिट्टी सभी प्रकार के जीवन का पोषण करती है। संसार की सर्वप्राचीन ग्रंथ वेद में भी मिट्टी को माता, जीवनाधार, सबकी जननीऔर सभी जीवों का पालन–पोषण करने वाली कहा गया है। वैदिक ग्रंथों में प्रकृति के सभी तत्वों की महता गान की गई है और मिट्टी को माताके रूप में वंदित, सम्मानित किया गया है। मिट्टी का उपयोग केवल कृषि कार्य के लिए ही नहीं, बल्कि खनिजों, धातुओं और भूमिगत जल की पहचान के लिए भी किया जाता रहा है। ऋग्वेद में मिट्टी को उपजाऊ (उर्वरा), बंजर (उषारा), रेगिस्तानी (मरु), परती (अप्रहत), घासयुक्त (शादवला) और मैला (पनकीकला) जैसी 12 प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है। अथर्ववेद में उसे भूरी (भाभ्रू), काली (कृष्णा) और लाल (रोहिणी) मिट्टी में बांटा गया है। वैदिक परंपराओं में मिट्टी के संरक्षण औरउर्वरता बढ़ाने के लिए गोबर, प्राकृतिक उर्वरकों के उपयोग और फसल चक्रण पर जोर दिया गया है।और इनके उपयोग को बढ़ावा दिया गया है।मिट्टी के स्वास्थ्य और उर्वरता को बनाए रखने के लिए फसल चक्रण को महत्वपूर्ण माना गया है।वेदों में कुंओं,तालाबों के निर्माण और विशेष प्रकार के वृक्षारोपण जैसी प्रथाओं को मिट्टी और जल संरक्षण के रूप में बताया गया है। मिट्टी जीवन की नींव, पोषण, पहचान और निरंतरता का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति मेंमिट्टी को जीवन के पोषण सार के रूप में देखा जाता है, जो जीवन के विकास, मातृगुणों और विरासत का समर्थन व प्रतिनिधित्व करती है।यह मिट्टी के दीपक के माध्यम से पंच तत्वोंऔर ग्रह कृपा का भी प्रतीक है, जो संपूर्ण ब्रह्मांड की रचना करते हैं। मिट्टी पहचान, स्मृति और जुड़ाव का भी प्रतीक है, जो किसी के मूल स्थान और इतिहास से संबंध को प्रदर्शित करती है। यह जीवन की शुरुआत और अंत का प्रतीक है।मान्यतानुसार मानव शरीर मिट्टी से निर्मित है और अंत में उसी में मिल जाता है। मिट्टी को शक्तिशाली और नाजुक दोनों माना जाता है। यह नश्वरता का प्रतीक है, लेकिन ठीक इसके विपरीत प्राचीन सभ्यताओं की मृदनिर्मित कलाकृतियां आज भी मौजूद हैं। मिट्टी पोषक तत्वों से भरपूर होती है, जो पौधों और अंततः सभी जीवित प्राणियों के लिए महत्वपूर्ण है। लेकिन दुखद है कि मिट्टी के क्षरण और मानवीय गतिविधियों से होने वाले नुकसान के कारणयह वर्तमान वैश्विक पर्यावरणीय चिंताओं का एक शक्तिशाली प्रतीक बन गई है। और स्वस्थ मृदा के महत्व पर ध्यान केंद्रित करने और मृदा संसाधनों के सतत प्रबंधन की वकालत करने के लिएप्रतिवर्ष 5 दिसम्बर को विश्व मृदा दिवस मनाया जाने लगा है। अंतर्राष्ट्रीय मृदा विज्ञान संघने 2002 में मृदा सम्मान दिवस मनाने की सिफारिश की थी। थाईलैंड के नेतृत्व में वैश्विक मृदा भागीदारी के ढांचे के तहतसंयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन ने इसका समर्थन किया, और दिसम्बर2013 को संयुक्त राष्ट्र महासभा के द्वारा68वीं सामान्य सभा की बैठक में पारित संकल्प के द्वारा 5 दिसम्बर को विश्व मृदा दिवस मनाने का संकल्प लिया गया था। इस विश्व मृदा दिवस का उद्देश्य स्वस्थ मिट्टी के महत्व को उजागर करना, टिकाऊ मृदा प्रबंधन को बढ़ावा देना, और कृषि, पारिस्थितिकी तंत्र और खाद्य सुरक्षा में इसकी भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।विश्व मृदा दिवस 2025 का विषय अर्थात थीम –स्वस्थ शहरों के लिए स्वस्थ मिट्टी है। यह विषय शहरी वातावरण में मिट्टी की भूमिका और उसके महत्व पर केंद्रित है, जिसमें खाद्य उत्पादन, जल निस्पंदन, कार्बन भंडारण और जलवायु को नियंत्रित करने जैसी सेवाएं शामिल हैं। इसका मुख्य उद्देश्य शहरी मिट्टी के महत्व और मिट्टी को सील करने जैसे शहरीकरण से उत्पन्न चुनौतियों पर प्रकाश डालना है।शहरी मिट्टी खाद्य उत्पादन, पानी को फिल्टर करने, कार्बन को स्टोर करने, तापमान को नियंत्रित करने और जैव विविधता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऋग्वेद और अथर्ववेद में किये गए मिट्टी के वर्गीकरण और मृदा से संबंधित सर्वप्राचीन उल्लेखों के विपरीत वर्तमान में वैश्विक स्तर पर रुसी भूविज्ञानी वसीली डोकुचेव(1846–1903) को मृदा विज्ञान का जनक माना जाता है, क्योंकि इन्होंने मिट्टी के वैज्ञानिक वर्गीकरण का पहला प्रयास किया था। आधुनिक जगत में पहली बार इन्होने ही मृदा को एक जीवित तंत्र माना और मृदा को एक जैविक विज्ञान के रूप में देखा। उस समय तकवैज्ञानिक मृदा को केवल पौधों को सीधा रखने का एक माध्यम मानते थे, ताकि पानी और खाद द्वारा पोषक तत्व प्रदान किए जा सकें। भारत में मृदा विज्ञान के जनक को जेडब्ल्यू लेदर के रूप में जाना जाता है, जिन्हें भारतीय मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान का जनक भी माना जाता है। उन्होंने पूसा में मृदा विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान की शुरुआत की और इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।मृदा संरक्षण के लिए 1978 में मृदा एवं जल संरक्षण विभाग की स्थापना की गई थी और बाद में वर्ष 2014 में मृदा संरक्षण विभाग का नाम बदलकर मृदा एवं जल संरक्षण विभाग कर दिया गया, ताकि भावी पीढ़ी के लिए हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए जल संरक्षण का अधिदेश जोड़ा जा सके। उल्लेखनीय है कि मृदा को स्वस्थावस्था में अर्थात मिट्टी को सहेजकर रखने का उल्लेख वेद,पुराण आदि प्राचीन ग्रंथों में भी अंकित है। भारत सहित संसार के प्रायः सभी सभ्यताओं के प्राचीन ग्रंथों में मिट्टी की अनेकशः महिमा मंडन किया गया है।शिव पुराणादि पौराणिक ग्रंथों के अनुसार देवी पार्वती ने पुत्र की इच्छा से मिट्टी का ही पुतला बनाया था, फिर भगवान शिव ने उसमेंप्राण डाले थे। वह भगवान गणेश थे। शिव पुराण में धातु के स्थान पर पार्थिव और मिट्टी की मूर्ति को ही महत्व प्रदान किया गया है। मृदनिर्मित गणेश प्रतिमा की पूजा करने से कई यज्ञों का फल मिलता है। मृदा मनुष्य के लिए हर रूप में आवश्यक व महत्वपूर्ण है, इसके बिना प्राणियों का जीवन इस संसार में असंभव है।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार | राउरकेला, रविवार 14 दिसंबर 2025 | पृष्ठ-6

छात्रों ने विकसित किया कम लागत वाला जीवन रक्षक ऐप

नुआपाड़ा १३/१२ (संवाददाता): इनोवेशन का एक शानदार उदाहरण देते हुए, ओडिशा के नुआपाड़ा ज़िले के बुधिकोज़ना पंचायत हाई स्कूल के चार स्टूडेंट्स ने एक जान बचाने वाला मोबाइल ऐप बनाया है, जिसका मकसद सड़क हादसों को कम करना और जानें बचाना है। ये स्टूडेंट इनोवेटर राज्य भर में सड़क हादसों से होने वाली मौतों की बढ़ती संज़्या से प्रेरित थे और जनता के लिए एक सस्ता सेज़्टी सॉल्यूशन बनाना चाहते थे। यह नया बनाया गया मोबाइल ऐप ड्राइवरों को अलर्ट करता है जब भी उनकी गाड़ी एज़्सीडेंट-प्रोन ज़ोन के पास पहुँचती है। एक बार गाड़ी में इंस्टॉल होने के बाद, यह ऐप ऑटोमैटिकली काम करता है, टक्कर रोकने के लिए समय पर चेतावनी देता है और ड्राइवरों को खतरनाक रास्तों पर अलर्ट रहने में मदद करता है। सूत्रों के मुताबिक, इस सिस्टम को बिना किसी परेशानी के काम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे यह ग्रामीण और शहरी दोनों तरह के यूज़र्स के लिए सही है। प्रोजेज़्ट के बारे में बात करते हुए, युवा इनोवेटर साई स्वरूप पांडा ने कहा कि इसका पहला मकसद एक सस्ता सेज़्टी टूल बनाना था जो आम परिवारों के लिए आसानी से मिल सके।

उन्होंने बताया,इससे एज़्सीडेंट रोकने में मदद करके कई लोगों की जान बचेगी। ध्यान भटकने पर, यह ड्राइवर को अलर्ट कर देगा। सबसे ज़रूरी बात, यह बहुत सस्ता है। आमतौर पर, इस तरह की टेज़्नोलॉजी वाली कारों की कीमत लगभग 7-8 लाख रुपये होती है, जो मिडिल-ज़्लास परिवारों के लिए अफ़ोर्डेबल नहीं है।

इसलिए, हमने इसे सभी के लिए आसान बनाने के लिए बनाया है। टीचर्स और लोकल लोगों ने स्टूडेंट्स की क्रिएटिविटी और सोशल अवेयरनेस की तारीफ़ की है। उज़्मीद है कि ऐप को आम लोगों के लिए पेश करने से पहले और बेहतर बनाया जाएगा, और अधिकारियों का मानना है कि इसमें ओडिशा में रोड सेज़्टी बढ़ाने में एक कीमती टूल बनने की क्षमता है।

राउरकेला इस्पात सयंत्र के परियोजना विभाग में टीम बिल्डिंग ज्ञानार्जन सत्र आयोजित

राउरकेला १३/१२ (संवाददाता): कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएँ) सज़्मेलन कक्ष में टीम बिल्डिंग पर एक घंटे का शिक्षण सत्र आयोजित किया गया था। कार्यपालक निदेशक (परियोज नाएँ), श्री सुदीप पाल चौधरी ने सत्र की अध्यक्षता की। मुज़्य महाप्रबंधक (परियोजना-आधुनिकीकरण), श्री डी के साहू, मुज़्य महाप्रबंधक (परि योजना-आधुनिकीकरण), श्री राहुल अग्रवाल और परियोजना विभाग के लगभग 35 अधिकारियों ने सत्र में भाग लिया। आईआईएम लखनऊ के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक तथा कार्यकारी कोच, श्री संदीप श्रीवास्तव सत्र के प्रशिक्षक थे। श्री श्रीवास्तव ने प्रभावी टीम निर्माण के विभिन्न चरणों और गतिशीलता पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि, व्यावहारिक ज्ञान और वास्तविक जीवन के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने आकर्षक शिक्षण वीडियो भी प्रस्तुत किए जिनसे प्रतिभागियों को उच्च प्रदर्शन करने वाली टीमों के सिद्धांतों को स्पष्ट रूप से समझने में मदद मिली। यह सत्र अत्यंत उपयोगी साबित हुआ, जिसमें सहयोग, संचार और सामूहिक स्वामित्व पर व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस ज्ञानार्जन सत्र से टीम की एकजुटता को मजबूती मिलेने तथा परियोजना विभाग की समग्र प्रभावशीलता में वृद्धि होने की उज़्मीद है। कार्यक्रम का उद्देश्य नेतृत्व क्षमताओं को बढ़ाना, रणनीतिक निर्णय लेने को सुदृढ़ करना और अधिकारियों को सर्वोज़म परिचालन प्रथाओं के लिए सार्थक प्रदर्शन प्रदान करना था। गौरतलब है कि, श्री श्रीवास्तव ने पहले सीमेंस, बेंटले सिस्टज़्स, ऑटोडेस्क और एचसीएल जैसे प्रतिष्ठित संगठनों में आईटी, एफएमसीजी, विनिर्माण, बैंकिंग और अन्य क्षेत्रों में पेशेवर अनुभव के साथ नेतृत्व के पदों पर कार्य किया है ।

ट्रक के अंदर 30 गायें मृत मिलीं, मवेशी तस्कर फरार

गंजम १३/१२ (संवाददाता): संदिग्ध मवेशी तस्करी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया, जब ओडिशा के गंजम जिले में दसपल्ला पुलिस की सीमा के तहत बुगुडा के पास शालभंगा जंगल की सड़क पर संदिग्ध रूप से खड़ी एक गाड़ी से खून टपकता देखा गया। सतर्क स्थानीय लोगों ने एक आयशर ट्रक से खून बहता देखा और गड़बड़ी का शक होने पर तुरंत पुलिस को सूचित किया। दसपल्ला पुलिस टिप-ऑफ मिलने के तुरंत बाद मौके पर पहुंच गई। गाड़ी की जांच करने पर, अधिकारियों को तेज बदबू आई, जिससे उन्हें लगा कि ट्रक में गाय का मांस ले जाया जा रहा है। गाड़ी को जज़्त कर लिया गया और उसकी बारीकी से तलाशी ली गई। जांच के दौरान, पुलिस को एक डरावना नजारा मिला. गाड़ी के अंदर 30 गायों के शव भरे हुए थे। शुरुआती जांच के अनुसार, मवेशी तस्कर गायों को गैर-कानूनी तरीके से ले जा रहे थे। जब कथित तौर पर जंगल की सड़क पर ट्रक में कोई मैकेनिकल दिक्कत आ गई, तो तस्करों ने पकड़े जाने से बचने के लिए उसे छोड़कर मौके से भाग गए।

जानवरों की जांच करने वाले वेटेरिनरी डॉज़्टर सिद्धांत शेखर साहू ने कन्फर्म किया कि लगभग सभी गायें कसकर ढके हुए वाहन के अंदर दम घुटने से मर गईं। डॉ. साहू ने कहा, दोपहर करीब 1 बजे, मुझे जानकारी मिली कि एक गाय ट्रक के अंदर फंसी हुई है, और हमें शक था कि और भी गायें होंगी। जब हमने उसे खोला, तो एक को छोड़कर सभी मर चुकी थीं। बची हुई गाय का मेडिकल ट्रीटमेंट किया गया है। बाकी गायों को दफनाया जाएगा। ज़्योंकि गायें ट्रक के अंदर बिना वेंटिलेशन के ढकी हुई थीं, इसलिए दम घुटने से उनकी मौत हो गई। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और गैर-कानूनी ट्रांसपोर्ट में शामिल लोगों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। स्मगलिंग नेटवर्क का पूरा पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही है।

डेंगू का प्रकोप

राउरकेला १३/१२ (संवाददाता): राउरकेला महानगर निगम एवं शहरांचल में डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ा है। मंगलवार शाम तक जिले में कुल 604 डेंगू मरीजों की पहचान हुई है। इनमें राउरकेला में ही 571 मरीज मिले हैं जो प्रशासन के लिए चिंता का कारण बना है। सबसे अधिक मरीज इस्पातांचल में पाए गए हैं। क्षेत्र में 240 एवं शहरांचल में 148 डेंगू मरीज मिलने की जानकारी स्वास्थ्य विभाग की ओर से दी गई है पर वास्तव में मरीजों की संज़्या इससे काफी अधिक है जो निजी अस्पतालों व घरों में इलाज करा चुके हैं।

कुतरा, राजगांगपुर, बड़गांवए केबलांगए मंगसपुर में एक.एक मरीज पाए गए हैं। राउरकेला के सेज़्टर.20 में पांचए रेलवे कालोनी में 14ए बसंती कालोनी व आसपास में आठए सेज़्टर.7ए सेज़्टर.15ए सेज़्टर.2 में आठ मरीजों की पहचान हुई है। डेंगू मरीजों की संज़्या में लगातार बढ़ोतरी होना चिंता का कारण बन गया है। खास कर राउरकेला इस्पातांचल में डेंगू पर नियंत्रण में आरएसपी प्रबंधन विफल है।

नयागढ़ में बदमाशों ने सरपंच के घर लूटा

नयागढ़ १३/१२ (संवाददाता): नयागढ़ जिले के दसपल्ला पुलिस इलाके के भोगाबाड़ी गांव में सरपंच निर्मला साहू के घर पर कल देर रात चोरी हुई। जब परिवार सो रहा था, तभी कुछ बदमाशों ने घर में घुसकर लाखों रुपये का कीमती सामान लूट लिया। कहा जा रहा है कि चोरों ने पीतल की मूर्तियां चुराकर शुरुआत की और घर का सामान समेत दूसरी चीजें भी ले गए। इस घटना से परिवार हैरान है और आस-पास के लोग भी डरे हुए हैं।

जानकारी मिलने पर, दसपल्ला पुलिस सुबह-सुबह मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। बदमाशों को पकड़ने के लिए स्निफर डॉग्स को लगाया गया और अधिकारियों ने क्राइम सीन से सबूत इकट्ठा करना शुरू कर दिया है। लोकल पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और जांच जारी रहने तक किसी भी संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट करने की अपील की है।

महिला सरपंच ने कहा, हम रात को सो गए थे। सुबह करीब 6.00 बजे उठने के बाद, हमने देखा कि सभी कमरों के दरवाज़े टूटे हुए थे। सामने का दरवाज़ा बंद था, लेकिन पीछे का दरवाज़ा खुला था। पीतल की मूर्तियाँ और दूसरा सामान चोरी हो गया था। घर का कुछ सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा था। निर्मला साहू ने कहा, मैंने अपने पति को जगाया, लेकिन कीमती सामान गायब पाया। सोने के गहने, पीतल के बर्तन और ज़मीन के पट्टे भी चोरी हो गए हैं। बदमाशों ने पास के खेत में एक ब्रीफ़केस फेंका था, जो हमें सुबह मिला। हालाँकि, सूटकेस के अंदर कुछ भी नहीं बचा था।

महिला सरपंच ने कहा, इससे पहले, बहुत पहले हमारे घर पर डकैती हुई थी। मुझे अंदाज़ा नहीं है कि इस डकैती में कौन शामिल है। हमने मामले की रिपोर्ट दसपल्ला पुलिस को दी है, और डिटेल में जाँच चल रही है। इस बारे में पुलिस से कोई कमेंट नहीं मिला।

मोहन चरण माझी ने नागरिकों से वंदे मातरम से प्रेरणा लेने और राष्ट्र निर्माण की दिशा में काम करने की अपील की

.भुवनेश्वर १३/१२ (संवाददाता): ओडिशा के मुज़्यमंत्री मोहन चरण माझी ने नागरिकों से राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' से प्रेरणा लेने और राष्ट्र निर्माण के प्रयासों में योगदान देने का आह्वान किया है। अपने एक पोस्ट में, माझी ने कहा कि 'वंदे मातरम' न केवल भारत के स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक है, बल्कि सामूहिक संकल्प का भी स्रोत है, और सभी से एकजुट होकर 2047 तक भारत को एक पूरी तरह से विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। माझी का यह पोस्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा में 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ पर एक विशेष चर्चा को संबोधित करने के बाद आया है, जिसमें उन्होंने सोमवार को स्वतंत्रता आंदोलन को ऊर्जा देने में गीत की भूमिका और इसकी निरंतर प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला था।मुज़्यमंत्री माझी के पोस्ट में लिखा था, वंदे मातरम न केवल भारत के स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा है, बल्कि हमारे सामूहिक संकल्प की शक्ति भी है। जिस साहस और एकता के साथ वंदे मातरम ने स्वतंत्रता दिलाई, उससे प्रेरणा लेकर हम सभी को अब एकजुट होकर 2047 तक भारत को एक पूरी तरह से विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करना चाहिए। वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के इस ऐतिहासिक अवसर पर, सभी नागरिकों के लिए यह एक सुनहरा अवसर है कि वे 'वंदे मातरम' के आदर्शों से प्रेरित हों और राष्ट्र निर्माण के हर क्षेत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें, और एक विकसित भारत के सपने को साकार करें।

होम एंड होप में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस मनाया गया

राउरकेला १३/१२ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के संरक्षण में संचालित दिव्यांगजनों के लिए संस्थान 'होम एंड होप' में 3 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस मनाया गया। निदेशक प्रभारी, आरएसपी सह अतिरिक्त प्रभार निदेशक प्रभारी बोकारो इस्पात संयंत्र तथा होम एंड होप के अध्यक्ष, श्री आलोक वर्मा कार्यक्रम के मुज़्य अतिथि थे। कार्यपालक निदेशक (खान विकास- सीएमएलओ), श्री बी के गिरी, कार्यपालक निदेशक (संकार्य), श्री बिस्वरंजन पलई, कार्यपालक निदेशक (खान, ओजीओएम-सीएमएलओ), श्री एम पी सिंह, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएँ), श्री सुदीप पालचौधरी, मुज़्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा), डॉ. प्रतिभा षडंगी कार्यक्रम के सज़्मानित अतिथि थे। मुज़्य महाप्रबंधक (इंटरनल ऑडिट) एवं सचीव, होम एंड होप, श्री जी एस दास, तथा आरएसपी के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी, पैरेंट'स एसोसिएशन के सदस्य, बड़ी संज़्या में छात्र-छात्राएँ, शिक्षक-शिक्षिकाएँ और अभिभावक उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि, इस वर्ष के समारोह का विषय है 'सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए दिव्यांगजन-समावेशी समाज को बढ़ावा देना'। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए श्री वर्मा ने कहा, अगर ज़िंदगी आपके लिए एक सीमा रेखा खींचती है, तो आप हमेशा उससे आगे बढ़कर एक खूबसूरत तस्वीर बना सकते हैं। होम एंड होप में मैंने यही सीखा है। यहाँ मौजूद हर व्यक्ति अपने साहस, दृढ़ता और चुनौतियों से ऊपर उठने के दृढ़ संकल्प से हमें प्रेरित करता है। उन्होंने संगठन के विकास में सहयोग देने के लिए आरएसपी की प्रतिबद्धता भी दोहराई। सभी कार्यपालक निदेशकों ने भी कार्यक्रम में संबोधित करते हुए इस दिन के महत्व पर प्रकाश डाला और संस्थान के विद्यार्थियों के प्रेरणादायी प्रयासों की सराहना की। उन्होंने जोर देकर कहा कि वास्तविक समावेशन समझ, सहानुभूति और समान अवसरों से शुरू होता है।कार्यक्रम के दौरान गणमान्यों द्वारा होम एंड होप के विद्यार्थियों को विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार और ट्रॉफियाँ प्रदान की गईं। इससे पहले विशिष्ट अतिथियों ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई कला एवं शिल्प वस्तुओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।होम एंड होप एवं आशा के विद्यार्थियों द्वारा एक सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। श्री जी एस दास ने स्वागत भाषण दिया जबकि होम एंड होप की प्राचार्या, सुश्री पद्मिनी दास ने संसथान की वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया । अभिभावक संघ (पैरेंट्स एसोसिएशन) के सचिव, श्री रंजन कुमार महाराणा ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया, जबकि सहायक महाप्रबंधक (विज़ एवं लेखा) एवं कोषाध्यक्ष, होम एंड होप, श्री निर्मल चंद्र दास ने कार्यक्रम का समन्वयन किया। सवेरे मुज़्य महाप्रबंधक (नगर अभियांत्रिकी एवं बागवानी), आरएसपी, श्री बी के जोजो ने विभिन्न स्कूलों के छात्रों और शिक्षकों की एक रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया, जो भंज भवन से प्रारंभ होकर होम एंड होप तक पहुँची। कई वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी भी इस रैली में शामिल हुए। बाद में श्री जोजो ने संस्थान परिसर में ध्वजारोहण भी किया।

सरकार ने 4000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी

भुवनेश्वर १३/१२ (संवाददाता): ओडिशा सरकार ने ४२२२.२४ करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दे दीए जिससे राज्य में 15497 नौकरियां पैदा होने की संभावना हैए एक अधिकारी ने कहा। मुज़्य सचिव मनोज आहूजा की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय एकल खिड़की मंजूरी प्राधिकरण ;एसएलएसडज़्ल्यूसीए ने इस महीने के अंत में आयोजित होने वाले श्उत्कर्ष ओडिशा . मेक इन ओडिशा कॉन्ज़्लेव 2025 व्यापार शिखर सज़्मेलन से पहले 25 परियोजनाओं के प्रस्तावों को मंजूरी दी। ये परियोजनाएं हरित ऊर्जा उपकरणए दवाए कपड़ाए प्लास्टिकए खाद्य प्रसंस्करण और डाउनस्ट्रीम एल्यूमीनियम जैसे क्षेत्रों में हैं। अधिकारी ने कहा कि ग्यारह जिले . अंगुल, गंजम, खुर्दाए नबरंगपुर, कटक, झारसुगुड़ा, बरगढ़, संबलपुर, सुंदरगढ़ए पुरी और कंधमालए इन परियोजनाओं से लाभान्वित होंगेए जिससे औद्योगिक आधार मजबूत होगा और निरंतर आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।संबलपुर में श्याममेटालिज़्स स्पेशियलिटी अलॉयज प्राइवेट लिमिटेड की 710 करोड़ रुपये की टाइटेनियम स्लैग प्लांट और खुर्दा में शालीमार ग्लास वर्ज़्स प्राइवेट लिमिटेड की 530 करोड़ रुपये की पैकेजिंग कंटेनर ग्लास विनिर्माण इकाई शामिल हैं।